आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक
हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 175 | उज्जैन, रविवार 18 मई 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

भारतीय सेना ने रचा शौर्य और पराक्रम का नया इतिहास-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

वीर सैनिकों के सम्मान में उमड़ा जनसैलाब, देशभक्ति के नारों से गूंजा बैरसिया

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत वर्तमान युग में एक नई शक्ति के रूप में उभर रहा है। ऑपरेशन सिंदूर से थल, वायु और नौसेना ने अद्वितीय साहस और पराक्रम का परिचय देते हुए दुश्मनों को मुंहतोड़ जवाब दिया है। भारतीय सेना ने मात्र 4 दिन के अल्प समय में ऐतिहासिक सफलता प्राप्त की है। इस अभियान ने दुनिया को भारत की सैन्य क्षमता, एकजुटता और आधुनिक तकनीकी सामर्थ्य का परिचय दिया है। आतंकवाद के मंसूबों को ध्वस्त किया गया है।

आज कोई भी शक्ति भारत की प्रगति को रोक नहीं सकती। हम सभी इस तिरंगा यात्रा से भारतीय सेना को सम्मान देने के लिए एकत्र हुए हैं। यह तिरंगा यात्रा ग्राम पंचायत से लेकर जिला स्तर तक निरंतर आयोजित की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को भोपाल जिले के बैरसिया में वीर सैनिकों के सम्मान में निकाली गई तिरंगा यात्रा में शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे शूरवीरों ने पाकिस्तान को आधी रात में ऐसा सबक सिखाया कि पाकिस्तान के साथ दुनिया के 200 देश में से सिर्फ दो देश साथ आए- एक तुर्किए और दूसरा अजरबैजान। अब देश की जनता तुर्किए का बहिष्कार कर रही है और भविष्य में अजरबैजान के साथ भी ऐसा ही होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने तिरंगा यात्रा मार्ग में उपस्थित जनसमूह का अभिवादन किया। पूरा बैरसिया देशभक्ति की भावना से सराबोर हो उठा। भारत माता की जय और वंदे मातरम् के गगनभेदी नारों से वातावरण गूंज उठा।

बठिंडा के इस गांव में किसान और पुलिस में धक्का-मुक्की, जमीन की निशानदेही पर हुआ टकराव

नई दिल्ली (एजेंसी)। गांव ज्योंद में जमीन की निशानदेही करने को लेकर शनिवार को किसानों व पुलिस के बीच टकराव हो गया। इस दौरान दोनों पक्षों में जमकर धक्कामुक्की हुई। जबकि किसानों के प्रदर्शन को देखते हुए प्रशासन की टीम को एक बार फिर बिना जमीन की निशानदेही किए वापस लौटना पड़ा। इससे एक दिन पहले भी प्रशासन की टीम एडीसी जनरल की अगुआई में जमीन की निशानदेही करने के लिए पहुंचे थे, लेकिन टीम वापस लौट आई थी।

शनिवार सुबह जिला प्रशासन जमीन की निशानदेही के लिए ज्योंद गांव पहुंचा और जैसे ही किसानों को इसकी जानकारी मिली तो बड़ी संख्या में एकत्र हुए किसानों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस दौरान पुलिस और किसानों के बीच धक्का-मुक्की भी हुई।

किसानों के कड़े विरोध को देखते हुए पुलिस प्रशासन को बिना कोई कार्रवाई किए पीछे हटना पड़ा। यह पांचवीं बार है, जब प्रशासनिक टीम को किसानों के विरोध के कारण वापस लौटना पड़ा है।

शुक्रवार के बाद शनिवार को भी डीएसपी फूल प्रदीप सिंह के नेतृत्व में भारी संख्या में पुलिस बल व प्रशासनिक अधिकारी गांव में जमीन की पैमाइश करने पहुंचे।

मुंबई एयरपोर्ट से ISIS के दो आतंकी गिरफ्तार, NIA ने रखा था 3 लाख रुपये का इनाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने महाराष्ट्र के पुणे में आईईडी के निर्माण और परीक्षण से संबंधित 2023 के मामले में प्रतबंधित ISIS आतंकवादी संगठन के स्लीपर मॉड्यूल के फरार दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है।

जांच एजेंसी ने शनिवार को बताया कि अब्दुल्ला फैयाज शेख उर्फ डायपरवाला और तल्हा खान के रूप में पहचाने गए दो लोगों को मुंबई के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल 2 से इमिग्रेशन ब्यूरों ने उस वक्त गिरफ्तार किया जब वे इंडोनेशिया के जकार्ता से भारत वापस लौटने की कोशिश कर रहे थे।

दोनों ही आरोपी पिछले दो सालों से फरार थे। दोनों को हिरासत में लेने के बाद एनआईए की टीम ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। दोनों के खिलाफ एनआईए की विशेष अदालत ने गैर-जमानती वारंट भी जारी किया हुआ था। इद्ध ने दोनों आरोपियों के बारे में सूचना देने वालों पर 3-3 लाख रुपये का इनाम भी घोषित किया था।

इन दोनों के खिलाफ आपराधिक साजिश से संबंधित मामला दर्ज है। इनके साथ ही पुणे स्लीपर मॉड्यूल के आठ अन्य सदस्य पहले ही गिरफ्तार किए जा चुके हैं।

कर्नल सोफिया कुरैशी पर टिप्पणी करने वाले मंत्री पर भड़के ओवैसी, बोले- यह गंदगी है, जेल भेज देना चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नल सोफिया कुरैशी पर विवादित टिप्पणी करने वाले भाजपा के मंत्री विजय शाह के खिलाफ हाईकोर्ट के आदेश के बाद एफआईआर दर्ज कर ली गई है। वहीं अब इस विवाद पर ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने भी टिप्पणी की है।

ओवैसी ने विजय शाह के बयान को गंदगी बताया और कहा कि उन्हें कैबिनेट से निकाल देना चाहिए। ओवैसी ने कहा कि उन्हें जेल भेज कर भाजपा को मिसाल पेश करनी चाहिए। न्यूज एजेंसी पीटीआई को दिए एक इंटरव्यू में ओवैसी ने ये बातें कहीं।

ओवैसी ने जमकर साधा निशाना- ओवैसी ने कहा, वो एक प्रदेश के मिनिस्टर हैं और ऐसी बातें कह रहे हैं। कर्नल सोफिया हमारे देश की बेटी है। उसमें भी आपने मजहब देख लिया। उनका बयान एक समुदाय के प्रति उनकी घृणा को दर्शाता है। उनको ये समझाने की जरूरत है कि आप घृणा कीजिए, लेकिन पाकिस्तान से आए आतंक से कीजिए।उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार उन्हें कैबिनेट से निकाले। हाईकोर्ट के कहने पर केस दर्ज हो गया है। उन्हें अरेस्ट कर जेल में भेजा जाए। एक बेहतरीन मिसाल बने देश में कि आप इस तरह की बकवास नहीं कर सकते। एक बहादुर ऑफिसर के बारे में आप इस तरह की गंदगी और हेटफुल कमेंट नहीं कर सकते।

ओवैसी ने कहा कि गंदगी है वह। आपकी नफरत है। आपको ये भी लिहाज नहीं रहा कि आप मंत्री हैं। मुझे पता चला है कि उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री की पत्नी के लिए भी अनाप-शनाप कहा था। क्यों नहीं रोक रही भाजपा उन्हें। उन्हें नहीं निकाल रहे क्योंकि वो एक जाति से आते हैं। वहां भी आपको राजनीति देखनी है।

दिल्ली पुलिसकर्मियों के लिए गुड न्यूज, कल्याणकारी योजनाओं के लिए इतना बढ़ाया जा सकता है फंड

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेहद कठिन परिस्थितियों में दिन रात ड्यूटी करने वाले जवानों के साथ अगर कोई घटना घट जाती है तो दिल्ली पुलिस वेलफेयर सोसाइटी की ओर से उनके स्वजन को आर्थिक सहायता देने के लिए कई कदम उठाए जाते हैं।

दिल्ली पुलिस कल्याण सोसायटी, बलिदानी कोष और शिक्षा कोष आदि के जरिये स्वजन को आर्थिक सहायता दी जाती है। वर्षों से ये योजनाएं चल रही हैं, जिसके तहत मिलने वाली राशि निर्धारित हैं। पुलिस विभाग अब इन योजनाओं की राशि करीब 10 प्रतिशत बढ़ाने पर विचार कर रहा है। अगर किसी पुलिसकर्मी की नौकरी के दौरान किसी कारण घर में मौत हो जाती है तब पुलिस सेवा कल्याण विभाग की ओर से उसके स्वजन को सात लाख रुपये दिए जाते हैं। पिछले वित्तीय वर्ष एक अप्रैल 2004 से 31 मार्च 2025 के दौरान 228 कर्मियों की मौत हो गई जिनके उत्तराधिकारियों को सात-सात लाख रुपये की दर से 15.96 करोड़ रुपये दिए गए।

इसके अलावा दाह संस्कार शुल्क के रूप में प्रत्येक को 20-20 हजार की राशि दी जाती है। ड्यूटी के दौरान अपने प्राण न्योछावर करने वाले कर्मियों के परिवार को 15-15 लाख रुपये और सीधे तौर पर अपराधियों से लड़ने के दौरान जांच गंवाने वाले स्वजन को 30-30 लाख रुपये दिए जाते हैं। पिछले वित्तीय वर्ष में ड्यूटी के दौरान 20 कर्मियों की मौत हुई जिनके परिवार को तीन करोड़ की राशि वितरित की गई।

बादलों के पार देखने की क्षमता, रात में भी रखवाली; इसरो का जासूसी सैटेलाइट लॉन्च के लिए तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) एक बार फिर अपनी तकनीकी क्षमता का प्रदर्शन करने के लिए तैयार है। इसरो 18 मई यानी कल अपने विश्वसनीय पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (पीएसएलवी-सी61) के माध्यम से खास ईओएस-09 (RISAT-1B) सैटेलाइट को प्रक्षेपित करने जा रहा है। यह प्रक्षेपण सुबह 5:59 बजे श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से होगा। इस सैटेलाइट के साथ भारत की रात के समय और हर मौसम में निगरानी की क्षमता को अभूतपूर्व बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

ऑपरेशन सिंदूर पीएम मोदी की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति का प्रतीक, नए मल्टी एजेंसी सेंटर के उद्घाटन पर बोले अमित शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौतियों से निपटने के लिए अत्याधुनिक तकनीक से लैस मल्टी एजेंसी सेंटर (मैक) नए रूप में सामने आया है। गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने 500 करोड़ रुपये की लागत से तैयार नए मैक का उद्घाटन किया।

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर कही ये बात- अमित शाह ने ऑपरेशन सिंदूर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दृढ़ राजनीति इच्छा शक्ति के साथ ही खुफिया एजेंसियों की सटीक सूचना और तीनों सेनाओं की अचूक मारक क्षमता का प्रतीक बताया। उन्होंने माओवादियों के विरुद्ध ऐतिहासिक अभियान के दौरान सुरक्षा बलों के बीच समन्वय की भी प्रशंसा की।

अमित शाह के अनुसार, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआइ) और मशीन लर्निंग से लैस मैक का नया नेटवर्क आतंकवाद, उग्रवाद, संगठित अपराध और साइबर हमलों जैसे गंभीर खतरों से निपटने में देश के प्रयासों को मजबूती प्रदान करेगा।

भविष्य की चुनौतियों से निपटने की क्षमता - उन्होंने कहा कि नया मैक जटिल एवं परस्पर जुड़ी हुई मौजूदा राष्ट्रीय चुनौतियों से निपटने में सभी एजेंसियों के प्रयासों को एक निर्बाध व इंटीग्रेटेड प्लेटफार्म प्रदान करेगा और उनके बीच समन्वय भी स्थापित करेगा। इसे भविष्य की चुनौतियों से निपटने की क्षमता से युक्त किया गया है।

अमित शाह ने कहा कि विभिन्न एजेंसियों के पास अलग-अलग पड़े हुए सूचनाओं के डाटाबेस को इस प्लेटफार्म से जोड़ना होगा। इससे बड़ी मात्रा में मौजूद डाटा का विश्लेषण कर समस्याओं से निपटने की रणनीति बनाने में मदद मिलेगी।

मैक नेटवर्क पर उपलब्ध डाटा विश्लेषण की गुणवत्ता ज्यादा बेहतर होगी- शाह के अनुसार, मैक नेटवर्क पर उपलब्ध डाटा विश्लेषण की गुणवत्ता ज्यादा बेहतर होगी और इससे समस्या का पैटर्न व ट्रेंड समझने में मदद मिलेगी। सटीक जानकारी के आधार पर समस्या के हॉटस्पाट की मैपिंग और उसके टाइमलाइन का विश्लेषण किया जा सकेगा। इससे समस्या का अनुमान लगाने के साथ ही उससे निपटने में भी मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा कि नया नेटवर्क संगठित अपराध से जुड़े आतंकी इकोसिस्टम को ध्वस्त करने में दूरगामी प्रभाव वाला साबित होगा।ध्यान देने की बात है कि कारगिल घुसपैठ के बाद 2001 में विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय के लिए खुफिया ब्यूरो के अधीन मैक की स्थापना की गई थी।

भारत-पाक सीजफायर पर ट्रंप के दावे झूठे, ब्रिटिश एक्सपर्ट ने की ऑपरेशन सिंदूर की तारीफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। किंग्स कॉलेज लंदन में अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के वरिष्ठ व्याख्याता डॉ. वॉल्टर लैडविग ने भारत-पाकिस्तान के बीच हुए सीजफायर को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच हुए सैन्य टकराव के बाद गोलीबारी रोकने के लिए भारत और पाकिस्तान के बीच हुई सहमति काफी हद तक दोनों पक्षों की इच्छा पर आधारित थी।

उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष विराम में किसी प्रकार का कोई दबाव या मध्यस्थता नहीं थी, जैसा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया को बताया है।

ट्रंप के दावों पर दी प्रतिक्रिया- वॉल्टर लैडविग ने कहा कि भारत बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है और वृद्धि दर आसमान छू रही है, जो प्रतिवर्ष सात प्रतिशत के प्रभावशाली दर से बढ़ रही है और भारत और भी तेजी से आगे बढ़ेगा।

ट्रंप के दावों को लेकर उन्होंने कहा, जिस प्रकार से ट्रंप ने दावा किया कि मध्यस्थता कराई गई है, मुझे नहीं लगता है कि वास्तव में किसी मध्यस्थता की जरूरत थी। उन्होंने कहा कि अमेरिका बातचीत कर रहा था, लेकिन यह एकमात्र देश नहीं था। मुझे लगता है कि संकट का समाधान भारत और पाकिस्तान की इच्छाओं से ही निकला था।

भारत ने कश्मीर के मुद्दे को लेकर किया स्पष्ट- बता दें, भारत ने इस बात को साफ कर दिया है कि जम्मू-कश्मीर से संबंधित किसी भी मुद्दे को पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय रूप से सुलझाया जाना चाहिए और इसमें किसी की भी दखलअंदाजी की जरूरत नहीं है। भारत ने कहा है कि फिलहाल मुख्य मुद्दा पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर को खाली कराना है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने मीडिया ब्रीफिंग के दौरान यह स्पष्ट कर दिया था कि जम्मू-कश्मीर को लेकर भारत की यह नीति है कि संबंधित मुद्दे को पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय रूप से हल किया जाना चाहिए और इस नीति में भारत ने कोई बदलाव नहीं किया है।

जयसवाल ने कहा, भारत का लंबे समय से यह रुख रहा है कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर से संबंधित किसी भी मुद्दे को भारत और पाकिस्तान को द्विपक्षीय रूप से हल करना चाहिए। हमारा लंबित मामला पाकिस्तान द्वारा अवैध रूप से कब्जाए गए भारतीय क्षेत्र को खाली कराना है।

उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के शुरू होने के बाद से ही भारत और अमेरिका के बीच सैन्य स्थिति को लेकर बातचीत हो रही थी, लेकिन इस दौरान किसी भी चर्चा में व्यापार का मुद्दा नहीं उठा था। उन्होंने कहा, 7 मई से लेकर 10 मई को सीजफायर के एलान तक सैन्य स्थिति को लेकर अमेरिका से बातचीत हुई है, लेकिन इसमें व्यापार का मुद्दा नहीं उठा था।

गाजा में आतंकवादियों के खिलाफ अभियान जारी, एक दिन में इजरायली हमलों में 108 लोग मारे गए

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल ने शुक्रवार को गाजा में कई हवाई हमले किए। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार इन हमलों में 108 लोग मारे गए, जिनमें अधिकतर महिलाएं और बच्चे थे। हमलों में दीर-अल-बलाह के बाहरी इलाके और खान यूनिस शहर को भी निशाना बनाया गया।

इजरायल ने एक दिन पहले 150 ठिकानों पर हमला किया था- यह हमले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की खाड़ी देशों की यात्रा के दौरान हुए। यात्रा के दौरान ट्रंप तीन खाड़ी देशों में रुके थे, लेकिन इजराइल में नहीं। यात्रा के अंतिम दिन अबूधाबी में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि वह गाजा सहित कई वैश्विक संकटों को हल करने की कोशिश कर रहे हैं।

इजरायल ने शुक्रवार को कहा कि गाजा में आतंकवादियों के खिलाफ उसका अभियान जारी है और एक दिन पहले 150 ठिकानों पर हमला किया था। इसमें एंटी-टैंक मिसाइल पोस्ट और सैन्य संरचनाएं ध्वस्त कर दी गईं।

उत्तरी गाजा में कई आतंकियों को किया खत्म - इजरायल की ओर से कहा गया कि उत्तरी गाजा में उसने कई आतंकियों को खत्म कर दिया, जो एक परिसर से अपना आपरेशन चला रहे थे। हमले शुक्रवार सुबह को भी जारी थे। लोगों को जबालिया शरणार्थी शिविर और बेत लाहिया शहर से भागना पड़ा। जबालिया के ऊपर काला धुआं उठता नजर आ रहा था।

इजरायली सरकार के प्रवक्ता डेविड मेन्सर ने बताया कि सेना अभियान तेज कर रही है। हमारा उद्देश्य बंधकों को वापस लाना और हमास को सत्ता से हटाना है। उन्होंने कहा कि इजरायल हमास पर दबाव बनाना जारी रखेगा और उसे नतीजे मिल रहे हैं।

अमेरिका के मिसौरी में भयंकर बवंडर से तबाही, 7 की मौत और लाखों लोग अंधेरे में रहने को हुए मजबूर

अमेरिका के मिसौरी में जोरदार तूफान आया था जिसकी चपेट में आकर सात लोगों की मौत हो गई है। इस तूफान में कई लोग घायल भी हुए हैं। इमारतों में फंसे लोगों की अधिकारी तलाश कर रहे हैं।

तूफान से इमारतों की छतें उड़ी- राष्ट्रीय मौसम सेवा के अनुसार सेंट लुईस के क्लेटन, मिसौरी में दोपहर 2:30 से 2:50 के बीच एक बवंडर आया था। इसने इमारतों की छतें उड़ा दीं। पेड़ और बिजली के तारों को नुकसान पहुंचाया।

सेंट लुईस की मेयर कैरा स्पेंसर ने कहा कि 5,000 से अधिक घर प्रभावित हुए। तूफान के दौरान बिजली चले जाने के कारण लगभग 1 लाख लोगों को बिना बिजली के रहना पड़ा। यह वास्तव में बहुत विनाशकारी है।

कई लोग गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती - उन्होंने कहा कि सबसे अधिक नुकसान वाले इलाकों में शुक्रवार को रात भर कर्फ्यू लगा दिया गया था। घायलों की संख्या के बारे में फिलहाल जानकारी नहीं हुई।

अस्पताल की प्रवक्ता के अनुसार, तूफान से प्रभावित 20 से 30 मरीज भर्ती हुए हैं। इनमें से कुछ की हालत गंभीर है। हालांकि, अधिकांश को जल्द ही छुट्टी दे दी जाएगी। सेंट लुईस में बच्चों के अस्पताल में 15 मरीज भर्ती हुए हैं।

पाकिस्तान में अहमदिया समुदाय के डॉक्टर की हत्या, गोली मारकर फरार हो गया आरोपी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में अहमदिया समुदाय के डॉक्टर शेख महमूद की गोली मारकर हत्या कर दी गई। सरगोधा के एक निजी अस्पताल में 58 वर्षीय डॉक्टर के साथ इस वारदात को अंजाम दिया गया। एक युवक वहां पहुंचा और गोलीबारी करने लगा।

उसने स्वच्छ पंजाब कार्यक्रम के कर्मचारी की वर्दी पहन रखी थी। वारदात को अंजाम देकर हमलावर मौके से फरार हो गया। पुलिस का मानना है कि इस हत्याकांड को उनके अहमदिया समुदाय से जुड़े होने के कारण अंजाम दिया गया।

यह पिछले दो महीनों में पंजाब में अहमदिया समुदाय से तीसरी हत्या है। जमात-ए-अहमदिया पाकिस्तान (जेएपी) ने संदेह जताया कि डॉक्टर शेख महमूद की हत्या के पीछे तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) का हाथ हो सकता है।

जेएपी के अनुसार, सरगोधा अहमदिया विरोधी गतिविधियों का गढ़ रहा है। डॉ महमूद को चरमपंथियों की ओर से धमकियां मिलती थीं। टीएलपी के दबाव में आकर उन्हें सरकारी नौकरी छोड़नी पड़ी थी। अब जेएपी ने सरकार से अहमदिया समुदाय की सुरक्षा की मांग की है।

हम धमकियों से नहीं डरते, ईरान के राष्ट्रपति का डोनाल्ड ट्रंप को जवाब; कहा- जारी रहेगी परमाणु वार्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने शनिवार को कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शांति और धमकियों की बात साथ-साथ कर रहे। हमें किस पर विश्वास करना चाहिए। एक तरफ वह शांति की बात करते हैं और दूसरी तरफ सामूहिक हत्या के सबसे उन्नत साधनों से धमकी देते हैं।

उन्होंने कहा कि ईरान अपने वैध अधिकारों से पीछे नहीं हटेगा। हम धौंस के आगे झुकने से इनकार करते हैं। उन्होंने कहा कि तेहरान परमाणु वार्ता जारी रखेगा, लेकिन धमकियों से नहीं डरता। हम युद्ध नहीं चाहते।

ट्रंप ने ईरान के साथ परमाणु समझौते पर कही थी ये बात- ट्रंप ने शुक्रवार को कहा था कि ईरान के पास अपने परमाणु कार्यक्रम के बारे में एक अमेरिकी प्रस्ताव है और वह जानता है कि उसे दशकों पुराने विवाद को हल करने के लिए जल्दी से आगे बढ़ने की जरूरत है। ट्रंप ने संयुक्त अरब अमीरात से रवाना होने के बाद एयर फोर्स वन में संवाददाताओं से कहा कि महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्हें पता है कि जल्दी से आगे बढ़ना होगा, नहीं तो कुछ बुरा होने वाला है।

ट्रंप ने दी है बार-बार धमकी - ट्रंप ने बार-बार धमकी दी है कि अगर कोई समझौता नहीं हुआ, तो वे ईरान के परमाणु कार्यक्रम को निशाना बनाकर हवाई हमले करेंगे। हालांकि, ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराक्ची ने कहा कि तेहरान को अमेरिका का प्रस्ताव नहीं मिला है। ऐसा कोई परिदृश्य नहीं है, जिसमें ईरान शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए यूरेनियम संवर्धन के अपने

पाकिस्तान की हुई फजीहत, मनी बिल पारित करने के लिए खुद के MPs को संसद में नहीं जुटा सकी शहबाज सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेशनल असेंबली में गुरुवार को पाकिस्तान सरकार को शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा। सरकार एक अहम धन विधेयक पारित करने के लिए आवश्यक कोरम हासिल करने में विफल रही। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआइ) के सांसदों ने विधायी प्रक्रिया को बीच में ही रोक दिया। परेशानी तब शुरू हुई जब वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब द्वारा आयकर (संशोधन) विधेयक 2024 को पारित करने के लिए पेश किए जाने वाले प्रस्ताव को 67-32 मतों से खारिज कर दिया गया।

कोरम कंप्लीट नहीं कर पाया पाकिस्तान- 336 सदस्यीय सदन में कोरम के लिए आवश्यक 84 से बहुत कम लोग उपस्थित थे। उपसभापति गुलाम मुस्तफा शाह द्वारा सदस्यों की संख्या की जानकारी दिए जाने के बाद पीटीआइ सदस्य सामूहिक रूप से सदन से बाहर चले गए।

आधे घंटे के बाद जब सत्र फिर शुरू हुआ, तब भी सरकार कोरम पूरा करने में असमर्थ रही, जिसके कारण इसे स्थगित कर दिया गया।

शहबाज शरीफ का कबूलनामा, भारत के मिसाइल हमलों में नूर खान एयरबेस समेत कई ठिकाने हुए तबाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर चलाकर पाकिस्तान पर करारा प्रहार किया, जिसकी याद करके पाकिस्तान आज भी घबराता है। पहले तो पाकिस्तान यह स्वीकार नहीं कर रहा था कि उसको भारत के हमलों से कुछ नुकसान हुआ है, लेकिन बाद में आए बयान और सेना के जारी फुटेज से सब कुछ साबित हो गया।

वहीं, सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ यह कबूल करते दिख रहे हैं कि भारत ने पाकिस्तान पर मिसाइल हमले किए थे जिनमें काफी नुकसान पहुंचा है।

जनरल सैयद असीम मुनीर ने शहबाज शरीफ को हमले की जानकारी दी वीडियो पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि 10 मई को सुबह करीब 2:30 बजे जनरल सैयद असीम मुनीर ने मुझे सिक्योर लाइन पर फोन किया और बताया कि भारत की बैलिस्टिक मिसाइलों ने नूर खान एयरबेस और अन्य इलाकों पर हमला किया है... हमारी वायुसेना ने अपने देश को बचाने के लिए स्वदेशी तकनीक का इस्तेमाल किया और उन्होंने चीनी जेट विमानों पर आधुनिक गैजेट और तकनीक का भी इस्तेमाल किया।

शुक्रवार को पाकिस्तान स्मारक पर आयोजित एक समारोह को संबोधित करते हुए शरीफ ने यह बयान दिया। भाजपा नेता अमित मालवीय ने यह वीडियो एक्स पर शेयर किया है।

ब्रह्मोस मिसाइल को पाकिस्तान तो क्या चीन का डिफेंस सिस्टम भी नहीं रोक सकता: अमेरिकी रक्षा विशेषज्ञ

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने अपनी क्षमता प्रदर्शित की है कि वह पाकिस्तान में कहीं पर भी और कभी भी हमला कर सकता है। साथ ही भारत की बचाव की क्षमता भी ऐसी है कि वह पाकिस्तान के किसी भी हमले को रोक सकता है। इस दौरान एक प्रमुख बात और गौर करने वाली रही कि भारत की ब्रह्मोस मिसाइल को रोकने वाला डिफेंस सिस्टम पाकिस्तान और चीन के पास नहीं है। भारत की सैन्य क्षमताओं के बारे में यह सटीक विश्लेषण अमेरिका के रक्षा मामलों के विशेषज्ञ कर्नल (रिटायर्ड) जॉन स्पेंसर का है। अर्बन वॉरफेयर एक्सपर्ट स्पेंसर ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की चार दिनों की सैन्य गतिविधियों में भारतीय सेनाओं ने हमले और सुरक्षा के क्षेत्रों में श्रेष्ठता साबित की।

ब्रह्मोस मिसाइल ने पाक वायुसेना अड्डों को किया तबाह- एक मीडिया हाउस से इंटरव्यू में स्पेंसर ने कहा कि ब्रह्मोस मिसाइलों ने 10 मई को पाकिस्तान के 11 वायुसेना अड्डों-ठिकानों पर हमला कर वहां तबाही मचाई। पाकिस्तान, चीन निर्मित एयर डिफेंस सिस्टम का इस्तेमाल करता है और वे सिस्टम भारत की ब्रह्मोस मिसाइलों को रोक नहीं पाए। चूंकि यही डिफेंस सिस्टम चीन की सेना भी इस्तेमाल करती है इसलिए भारत की ब्रह्मोस मिसाइलों को रोकने की क्षमता पाकिस्तान और चीन के पास नहीं है।

भारतीय वायुसेना ने साबित की श्रेष्ठता - पता चला है कि ब्रह्मोस मिसाइल ने इस एअर डिफेंस सिस्टम को भी निशाना बनाया था। स्पेंसर ने कहा कि सात मई को पाकिस्तान के नौ ठिकानों पर हमले के दौरान भी भारतीय वायुसेना ने श्रेष्ठता साबित की। उसकी मिसाइलों को पाकिस्तानी डिफेंस रोक नहीं पाया और उन्होंने सटीक निशाना लगाकर अपने लक्ष्यों को बर्बाद किया। इस दौरान पाकिस्तानी एअर डिफेंस सिस्टम के सिग्नलों को जाम किए जाने की जानकारी भी सामने आई है।

बात राष्ट्रहित की हो तो पीछे नहीं रह सकता, डेलिगेशन में नाम होने पर शशि थरूर ने जताया सरकार का आभार

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने वैश्विक मंच पर पाकिस्तान को बेनकाब करने के लिए सांसदों का डेलीगेशन बनाया है। इस लिस्ट में कांग्रेस सांसद शशि थरूर का नाम भी शामिल है। थरूर ने इसके लिए सरकार का आभार जताया है।

उन्होंने कहा कि जब बात राष्ट्रहित की हो, तो मैं पीछे नहीं रह सकता। थरूर ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा, हाल के मामलों पर देश का पॉइंट ऑफ व्यू रखने के लिए भारत सरकार ने ऑल पार्टी डेलीगेशन में मुझे भी चुना है। मैं इसके लिए गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं।

इन नेताओं को सरकार ने चुना

बता दें कि केंद्र सरकार ने 7 सदस्यों का ऑल पार्टी डेलिगेशन बनाया है। ये यूएन सिक्योरिटी काउंसिल के अलावा अलग-अलग देशों में जाकर ऑपरेशन सिंदूर और क्रॉस बॉर्डर टेररिज्म के खिलाफ भारत की लड़ाई के बारे में बताएंगे।

इस लिस्ट में कांग्रेस नेता शशि थरूर, भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद, जेडीयू नेता संजय कुमार झा, भाजपा नेता बैजयंत पांडा, डीएमके नेता कनिमोझी करुणानिधि, एनसीपी (शरद पवार) नेता सुप्रिया सुले और शिव सेना नेता श्रीकांत एकानाथ शिंदे का नाम शामिल है।

पाकिस्तान को सबक नहीं सिखा पाए हम, उदित राज ने ऑपरेशन सिंदूर पर उठाए सवाल...

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और गुलाम जम्मू-कश्मीर में स्थित आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया था। इस स्ट्राइक में 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए थे। पूरे देश में सेना के पराक्रम की तारीफ हुई थी।

लेकिन अब कांग्रेस नेता उदित राज ने इसे लेकर विवादित बयान दिया है। उदित राज ने न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत में कहा कि हम पाकिस्तान को सबक नहीं सिखा पाए। उन्होंने कहा कि दुनिया का कोई भी देश हमारे साथ नहीं खड़ा है।

उदित राज ने कहा, पाकिस्तान के साथ अमेरिका है। पूरी दुनिया उसके साथ है। पाकिस्तान की अटॉमिक पावर भी अमेरिका की दी हुई है। पाकिस्तान में सब आईएसआई के कंट्रोल में है। वो टेररिस्ट एक्सपोर्ट करता रहता है। उन्होंने कहा, मान लीजिए कि एक-दो जगह पर हमने बॉम्बिंग कर दी। एक-दो जगह पर आतंकी ठिकाने हमने नष्ट किए। बाकी जगह तो अब है ही। सबक तो सिखा ही नहीं पाए हम। जब दुनिया में कोई हमारे साथ नहीं है। अब डेलिगेशन भेज कर क्या करेंगे आप। जब ऐन वक्त पर कोई देश हमारे साथ खड़ा ही नहीं हुआ।

बता दें कि केंद्र सरकार ने ऑल पार्टी डेलिगेशन का एलान किया है। इसमें शशि थरूर और रविशंकर प्रसाद समेत कई पार्टियों के सांसद शामिल हैं।

जलवायु परिवर्तन पर भारत ने वैश्विक मंच से विकसित देशों को फिर घेरा, प्रजातियों के संरक्षण को लेकर भी कही बड़ी बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। जलवायु परिवर्तन से निपटने के अपने लक्ष्यों को हासिल करने में तेजी से जुटे भारत ने विकसित देशों को पेरिस समझौते के तहत किए गए अपने वादों को पूरा न करने को लेकर एक बार फिर घेरा है।

विकासशील देशों को जलवायु परिवर्तन का बोझ सहना पड़ रहा है- केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि भारत सहित पूरे दक्षिण एशिया में दुनिया की कुल आबादी का लगभग 25 प्रतिशत लोग रहते है जबकि कार्बन उत्सर्जन में हिस्सेदारी सिर्फ चार प्रतिशत है। बावजूद इसके विकासशील देशों को जलवायु परिवर्तन का बोझ असमान रूप से झेलना पड़ रहा है।

केंद्रीय मंत्री यादव शुक्रवार को हिमालय व अन्य पर्वतीय क्षेत्रों के इकोसिस्टम को संरक्षित करने के लिए नेपाल के काठमांडू में आयोजित पहले सागरमाथा संवाद को संबोधित कर रहे थे।

पेरिस समझौते पर कही ये बात - उन्होंने कहा कि पेरिस समझौते के तहत विकसित देशों को जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए विकासशील देशों को वित्तीय मदद देनी थी। इस समझौते के तहत शुरूआत में प्रतिवर्ष 100 बिलियन डॉलर देना था, बाद में इस राशि को 2035 तक बढ़ाकर 300 बिलियन डॉलर तक करना था।

इसके साथ ही तकनीकी और क्षमता निर्माण भी उन्हें मदद देनी थी। कांफ्रेंस आफ पार्टीज (कॉप) 29 में भी भारत ने इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया था। हालांकि अमेरिका जैसे विकसित देशों की ओर से पेरिस समझौते से पीछे हटने से इस पहल को बड़ा झटका लगा है। इस संवाद में भारत के साथ नेपाल और चीन ने भी प्रमुखता से हिस्सा लिया था।

संवाद में भारत ने हिमालय क्षेत्र के संरक्षण के लिए जैव विविधता पर जोर दिया। साथ सही हिमालयी देशों से इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस से जुड़ने और सहयोग बढ़ाने की मांग की, ताकि हिम तेंदुआ, बाघ और तेंदुए जैसी प्रजातियों के संरक्षण के लिए मिल कर काम किया जा सके।

कांग्रेस की लिस्ट में गौरव गोगोई का नाम, भड़के हिमंत सरमा ने पाकिस्तान कनेक्शन पर घेरा; राहुल गांधी से की बड़ी अपील

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार पाकिस्तान को विश्व स्तर पर आतंकवाद के मामले में बेनकाब करने को लेकर सांसदों का एक डेलिगेशन अलग-अलग देश भेजने वाली है। इसे लेकर सात सांसदों के नाम तय किए गए हैं, जो अपने-अपने दल का नेतृत्व करेंगे।

इस लिस्ट में कांग्रेस सांसद शशि थरूर का भी नाम शामिल है जो अमेरिका जाएंगे और भारत का पक्ष रखेंगे। हालांकि, कांग्रेस ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी है और कहा है कि जो लिस्ट उनके द्वारा सरकार को दी गई थी, उसमें शशि थरूर का नाम नहीं था फिर भी उन्हें शामिल किया गया है।

हिमंता की राहुल से मांग- अब कांग्रेस की लिस्ट को लेकर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने राहुल गांधी से एक मांग की है। दरअसल, कांग्रेस की लिस्ट में सांसद गौरव गोगोई का नाम भी शामिल है। इसी को लेकर हिमंत ने कांग्रेस पर निशाना साधा है।

असम के मुख्यमंत्री ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से आग्रह करते हुए कहा है कि पाकिस्तान से आतंकवाद पर भारत का रुख स्पष्ट करने के लिए विदेश भेजे जाने वाले प्रतिनिधिमंडल के लिए कांग्रेस द्वारा नामित चार सांसदों की सूची से असम के सांसद का नाम हटा दिया जाए।गौरव गोगोई का नाम लिए बिना हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा हित में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल नहीं किया जाना चाहिए।

सरमा ने गोगोई की ब्रिटिश पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न के माध्यम से कथित पाकिस्तान संबंधों को लेकर आरोप लगाया है और दावा किया है कि जोरहाट के सांसद ने अधिकारियों को बिना सूचित किए पड़ोसी देश में 15 दिनों तक रहे। हालांकि, कांग्रेस ने आरोपों को खारिज कर दिया था। सरमा ने एक्स पर पोस्ट कर आरोप लगाया, काग्रेस की सूची में नामित सांसदों में से एक (असम से) ने पाकिस्तान में अपने लंबे समय तक रहने से इनकार नहीं किया है।

तुर्किये और अजरबैजान के साथ व्यापार का होगा बहिष्कार, व्यापारी प्रतिनिधियों ने दिल्ली बैठक में लिया संकल्प

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के साथ खड़ा होने वाले तुर्किये और अजरबैजान का विरोध लगातार बढ़ रहा है। देशभर के 125 से अधिक प्रमुख व्यापारी नेताओं ने इन दोनों देशों के साथ व्यापार का पूरी तरह बहिष्कार करने का निर्णय लिया है। इस बहिष्कार में यात्रा और पर्यटन क्षेत्र भी शामिल होगा। व्यापारी नेताओं ने भारतीय फिल्म उद्योग से भी अपील की कि तुर्किये और अजरबैजान में शूटिंग न करें।

व्यापारी प्रतिनिधियों की बैठक तय हुए मुद्दे- शुक्रवार को नई दिल्ली में आयोजित व्यापारी प्रतिनिधियों की बैठक में तय किया गया कि दोनों देशों के साथ व्यावसायिक संबंधों की नीति पर पुनर्विचार के लिए केंद्र सरकार से भी अनुरोध किया जाएगा।

व्यापारिक समुदाय ने स्पष्ट किया है कि फिल्म उद्योग से अपील की गई है कि वे इन दोनों देशों में शूटिंग न करें। यदि ऐसा नहीं किया गया, तो व्यापार जगत और आम जनता ऐसी फिल्मों का बहिष्कार करेगी। सम्मेलन में निर्णय लिया गया कि कोई भी कॉर्पोरेट हाउस तुर्किये और अजरबैजान में अपने उत्पादों के प्रमोशन के लिए शूटिंग नहीं करेगा।

जिलास्तर पर तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी - आतंकियों और पाकिस्तान के खिलाफ सेना के शौर्य को सम्मानित करने के लिए जिलास्तर पर तिरंगा यात्रा निकालने और राष्ट्रीय रक्षा फंड में योगदान देने का निर्णय लिया गया है।

सम्मेलन में दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र समेत 24 राज्यों से आए व्यापारी प्रतिनिधियों ने भाग लिया। ये प्रतिनिधि विभिन्न ट्रेड जैसे परिधान, किराना, ऑटोमोबाइल, मार्बल, आइटी, जूते-चप्पल, सूखे मेवे और ज्वेलरी का प्रतिनिधित्व करते हैं।

भारत की संप्रभुता और राष्ट्रीय हितों पर आघात किया गया- सर्वसम्मति से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ एकजुटता जताते हुए उन ताकतों का सख्ती से विरोध करने का संकल्प लिया गया, जो भारत के खिलाफ खड़ी हैं।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिन:
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए। पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

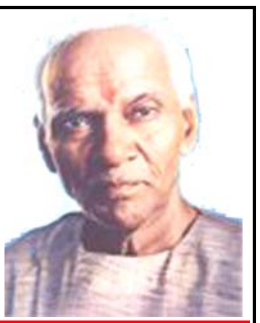

विक्रम संवत 2079 कृष्ण षष्ठमी

संपादकीय

पहलगाम आतंकवादी हमला देश की एकता और सौहार्द को तोड़ने का एक शर्मनाक प्रयास था...

पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले ने हमारे पूरे देश को झकझोर दिया। यह भारत की अंतरात्मा पर भी किया गया आक्रमण था। निर्दोष नागरिकों की उनके परिवारों के सामने हत्या, उनके धर्म के आधार पर, आतंक और क्रूरता का भयानक चेहरा था। यह देश की एकता और सौहार्द को तोड़ने का एक शर्मनाक प्रयास था। इस हृदयविदारक घटना के बाद पूरे देश ने एकजुट होकर आतंकवाद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की माँग की। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेनाओं को पूरी स्वतंत्रता दी गई कि वे आतंकवादियों का खात्मा करें।

भारत द्वारा लिए गए फैसले के अनुसार अटारी-वाघा सीमा बंद कर दी गई। द्विपक्षीय व्यापार निलंबित कर दिए गए। वीजा रद्द कर दिए गए। सिंधु जल संधि को रोक दिया गया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने सुनिश्चित किया कि सिंधु जल संधि को निलंबित करने से लेकर आतंकी शिविरों पर सैन्य प्रहार करने तक का हर कदम सावधानीपूर्वक, योजनाबद्ध और समयबद्ध तरीके से उठाया जाएगा। इस संदर्भ में सरकार ने उत्तेजना में कार्रवाई करने के बजाय रणनीतिक रूप से ऑपरेशन सिंदूर के जरिए ठोस कार्रवाई के रास्ते को चुना। ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ एक नाम नहीं, यह देश के करोड़ों लोगों की भावनाओं का प्रतीक बनकर सामने आया। 6 मई की रात और 7 मई की सुबह, भारत ने आतंक के खिलाफ अपनी प्रतिज्ञा को साकार किया। भारतीय सेनाओं ने पाकिस्तान में आतंकियों के 9 ठिकानों पर और उनके प्रशिक्षण केंद्रों पर सटीक हमला किया, जिनमें प्रमुख हैं- 1. सवाई नाला कैंप मुजफ्फराबाद, 2. सैयदाना बिलाल कैंप, मुजफ्फराबाद (जैश-ए-मोहम्मद का प्रशिक्षण केंद्र) 3. बरनाला कैंप, बीरबगढ़ 4. अब्बास कैंप, कोटली (एलईटी का फिदायीन प्रशिक्षण केंद्र) 5. सरजाल कैंप, सियालकोट 6. मेहमूना जया कैंप, सियालकोट 7. गुलपुर कैंप, कोटली, 8. मरकज तैयबा, मुरीदके (26/11 के हमलावरों का प्रशिक्षण केंद्र) 9. मरकज सुभान अल्लाह, बहावलपुर (जैश-ए-मोहम्मद का मुख्यालय) जिसे एयर फोर्स ने ध्वस्त किया।

जब देश एकजुट होता है और ÷नेशन फर्स्ट÷ की भावना से काम करता है, तो ऐसे मजबूत निर्णय और परिणाम सामने आते हैं। ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान के भीतर 100 किमी तक घुसकर कार्यवाही की। यह भारत की सैन्य क्षमता, राजनीतिक इच्छाशक्ति और राष्ट्रीय संकल्प का प्रतीक है। इस ऑपरेशन में 100 से अधिक आतंकवादी मारे गए। मारे गए प्रमुख आतंकियों में मुदस्सर कादियान उर्फ अब्बू जुंदाल (एलईटी), हाफिज मोहम्मद जमील (जेईएम), मसूद अजहर का साला, मोहम्मद यूसुफ (खालिद अजहर उर्फ उस्ताद और आईसी-814 हाइजैकिंग का आरोपी), खालिद उर्फ अब्बू अक्का खालिद (एलईटी) शामिल हैं। भारत ने इन आतंकियों को एक ही बार में खत्म कर दिया। इनके अंतिम संस्कार में पाक के आर्मी चीफ व पाक सरकार के नुमाइंदों का शामिल होना इस बात की पुष्टि करता है कि पाक सरकार आतंकवाद पोषक है।

भारत की मजबूत सैन्य शक्ति, भारत के मिसाइलों और ड्रोन ने पाकिस्तानी एयरबेस को भारी नुकसान पहुँचाया। भारत ने राफेल, सुखोई, ब्रह्मोस, एस-400, एस-125, स्कल्प मिसाइल, हेमर मिसाइल बम का इस्तेमाल किया वहीं स्वदेशी आकाश मिसाइल, समर, नागास्त्र का इस्तेमाल करके पाकिस्तान के अनेक ड्रोन्स व मिसाइल नष्ट कर दिये। डीआरडीओ के अभेद्य रक्षा कवच ने पाकिस्तान के एयर डिफेंस सिस्टम को तबाह कर दिया।

जय गुरुदेव

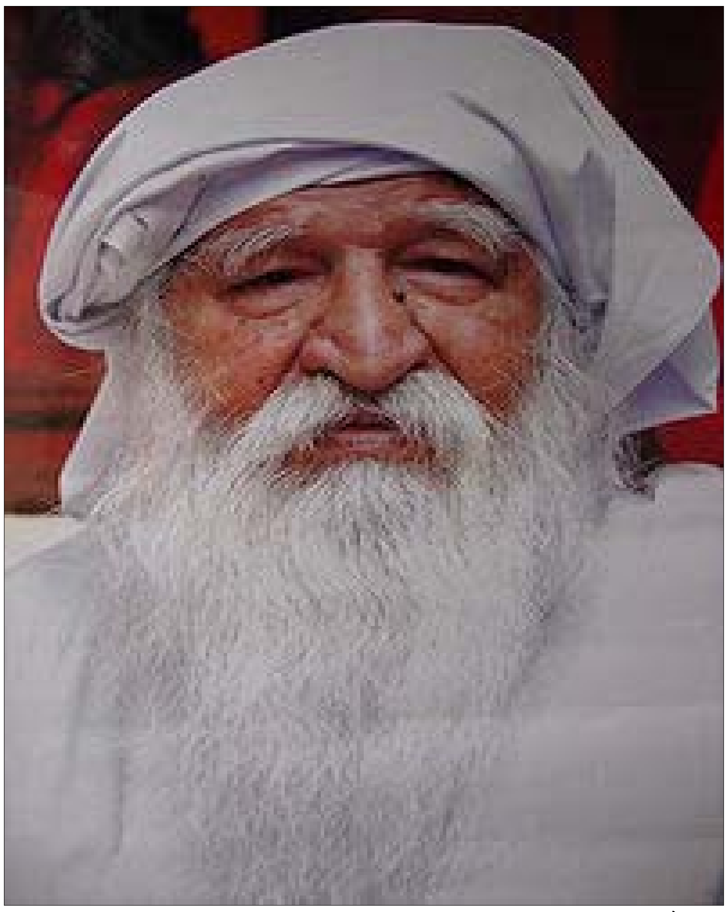

बाबा जय गुरुदेव एक प्रसिद्ध धार्मिक गुरु थे। जय गुरुदेव के भक्तों की संख्या देश-विदेश में 20 करोड़ से ज्यादा है और जो उनके एक इशारे पर दौड़े चले आते थे। गुरु के महत्व को सर्वोपरि रखने वाले बाबा जय गुरुदेव भी इसी नाम से प्रसिद्ध हो गए। अपने प्रत्येक कार्य में अपने गुरु देव का स्मरण कर जय गुरु देव का उद्घोष करते थे। वह बाबा जयगुरुदेव के नाम से ही जाने जाने लगे। आम आदमी भी उनको इसी संबोधन से दशकों तक जानता आया और उनके प्रचार का ख़ास माध्यम दीवारों पर लिखा उनका नारा होता था 'जयगुरु देव, सतयुग आएगा'। बाबा जय गुरुदेव गुरु के सान्निध्य को जीवन भर रेखांकित करते रहे। उनका कहना था, हर मर्ज की दवा है। हर समस्या का हल है। बस गुरु की शरण में चले आओ। मैं तो यह जानता हूं कि आप मजबूर होकर आओगे और मैं तब भी आपकी मदद के लिए तैयार रहूंगा। बाबा की सोच व विचार गांव और ग़रीब दोनों से जुड़े थे। बाबा कहते थे- शरीर तो किराए की कोठरी है, इसके लिए 23 घंटे दो लेकिन इस मंदिर में बसने वाले देव यानी आत्मा के लिए कम से कम एक घंटा ज़रूर निकालो। इससे ईश्वर प्राप्ति सहज हो जाएगी।

जीवन परिचय

बाबा जय गुरुदेव का बचपन का नाम तुलसीदास था। बाबा की जन्म तिथि की कोई पक्की जानकारी नहीं है लेकिन बाबा का जन्म उत्तर प्रदेश में इटावा जिले के भरथना स्थित गांव खितौरा नील कोठी प्रांगण में हुआ था। जय गुरुदेव नामयोग साधना मंदिर के प्रकाशन में इस साल उनकी उम्र 116 साल बताई गई। वह हिंदी, उर्दू और अंग्रेज़ी में पारंगत थे।

उन्होंने कोलकाता में 5 फरवरी 1973 को सत्संग सुनने आए अनुयायियों के सामने कहा था कि सबसे पहले मैं अपना परिचय दे दूँ - मैं इस किराये के मकान में पांच तत्व से बना साढ़े तीन हाथ का आदमी हूं। इसके बाद उन्होंने कहा था - मैं सनातन धर्मी हूं, कट्टर हिंदू हूं, न बीड़ी पीता हूं न गांजा, भांग, शराब और न ताड़ी। आप सबका सेवादार हूं। मेरा उद्देश्य है सारे देश में घूम-घूम कर जय गुरुदेव नाम का प्रचार करना। मैं कोई फ़कीर और महात्मा नहीं हूं। मैं न तो कोई औलिया हूं न कोई पैगंबर और न अवतारी।

गुरुदेव के गुरु

बाबा जयगुरुदेव जब सात साल के थे तब उनके मां-बाप का निधन हो गया था। उसके बाद वह सत्य की खोज में निकल पड़े। और इसके बाद से ही उन्होंने मंदिर-मस्जिद और चर्च का भ्रमण करना शुरू कर दिया था। यहां वे धार्मिक गुरुओं की तलाश करते थे। कुछ समय बाद घूमते-घूमते अलीगढ़ के चिरौली गांव (इगलास तहसील) पहुंचे। वहां उनकी मुलाकात संत घूरेलाल जी शर्मा (दादा गुरु) से हुई और उन्होंने जीवन भर के लिए उन्हें अपना गुरु मान लिया। उन्हीं के पास बाबा वर्षों झोपड़ी में रहे। उनके सान्निध्य में एक-एक दिन में 18-18 घंटे तक साधना करते थे। दिसंबर 1950 में उनके गुरु घूरे लाल जी का निधन हो गया। संत घूरेलालजी के दो शिष्य थे। एक चंद्रमादास और दूसरे तुलसीदास (जय बाबा गुरुदेव)। कालांतर में चंद्रमादास भी नहीं रहे। गांव चिरौली में गुरु के आश्रम को राधास्वामी सत्संग भवन के नाम से जाना जाता है। वहां घूरेलाल महाराज के सत्संग भवन के साथ चंद्रमादास का समाधि स्थल भी है।

प्रवचन की शुरुआत

बाबा जय गुरुदेव आजादी से पहले वे अलीगढ़ में अपने गुरु घूरेलाल शर्मा से दीक्षा लेने के बाद वे पहली बार 10 जुलाई 1952 को वाराणसी में प्रवचन देने के लिए समाज के सामने उपस्थित हुए। इसके बाद क़रीब आधे दशक पूरे देश में तुलसीदास महाराज या फिर जय गुरुदेव की धूम रही। 29 जून 1975 के आपातकाल के दौरान वे जेल गए, आगरा सेंट्रल, बरेली सेंटल जेल, बेंगलूर की जेल के बाद उन्हें नई दिल्ली के तिहाड़ जेल ले जाया गया। वहां से वह 23 मार्च 1977 को रिहा हुए। जय गुरुदेव के अनुयायी इस दिवस को मुक्ति दिवस के रूप में मनाते हैं। जेल से छूटने के बाद गुरुदेव जब मथुरा आश्रम आये तो तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी उनके आश्रम में पहुंचकर आपातकाल के लिये माफी मांगी। अपनी आध्यात्मिक यात्रा के दौरान उन्होंने राजनीति की असफल यात्रा भी की। वर्ष 1980 और 90 के दशक के दौरान उन्होंने दूरदर्शी पार्टी बनाई लेकिन वे बहुत सफल नहीं हुए। उन्होंने संसद का चुनाव लड़ा, लेकिन जीत हासिल नहीं हुई।

जय गुरुदेव आश्रम

वर्ष 1948 से पहले उनके गुरु ने बाबा से मथुरा में किसी एकांत स्थान पर अपना आश्रम बनाकर ग़रीबों की सेवा करने के लिए कहा था। जब उनके गुरु का 1948 की अगहन सुदी दशमी (दिसंबर) को शरीर नहीं रहा, तब उन्होंने अपने गुरु स्थान चिरौली के नाम पर 1953 में पहले कृष्णानगर मथुरा में चिरौली संत आश्रम की स्थापना से अपने मिशन की शुरुआत की। यह स्थान छोटा पड़ने पर राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे दूसरी ज़मीन तलाश कर यहां आश्रम बनवाया। राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे ही उनका भव्य स्मृति चिन्ह जय गुरुदेव नाम योग साधना मंदिर है। यहां दर्शन 2002 से शुरू हुआ था। नाम योग साधना मंदिर में सर्वधर्म समभाव के दर्शन होते हैं। इस समय वह आश्रम परिसर में ही कुटिया का निर्माण करा रहे थे।

जय गुरुदेव के अनुयायी

उत्तर प्रदेश के मथुरा ज़िले में आगरा-दिल्ली राजमार्ग पर स्थित जयगुरुदेव आश्रम की लगभग डेढ़ सौ एकड़ भूमि पर संत बाबा जयगुरुदेव की एक अलग ही दुनिया बसी हुई है। उनके अनुयायियों में अनपढ़ किसान से लेकर प्रबुद्ध वर्ग तक के लोग हैं। व्यक्ति, समाज और राष्ट्र को सुधारने का संकल्प लेकर जयगुरुदेव धर्म प्रचारक संस्था एवं जयगुरुदेव धर्म प्रचारक ट्रस्ट चला रहे हैं, जिनके तहत तमाम लोक कल्याणकारी योजनाएं चल रही हैं। बाबा ने अपने विचारों को मूर्त रूप देने के लिए दूरदर्शी पार्टी की भी स्थापना की थी। मकसद था उन्होंने समाज की बिगड़ी हुई व्यवस्था को वैचारिक क्रांति के जरिए ठीक करना। भूमि जोतक, खेतिहर-काश्तकार संगठन की स्थापना भी उन्हीं की देन है।

जय गुरुदेव मेला

गुरु के प्रेम को जीवंत बनाए रखने के लिए सदैव याद रखने के लिए उन्होंने पंच दिवसीय वृहद आध्यात्मिक मेले का आयोजन शुरू किया। इस लक्खी मेले में बाबा के सत्संग-प्रवचन गोष्ठी-सभा, दहेज रहित सामूहिक विवाह एवं श्रमदान आदि के अनेक कार्यक्रम होते हैं। यह मेला मथुरा की पहचान भी बन चुका है। मथुरा के जयगुरुदेव आश्रम, निःशुल्क शिक्षण संस्थाएं व अस्पताल, उन्होंने ग़रीब तबके के लिए शुरू किए। अपने निजी नलकूपों से निकटवर्ती ग्रामों में पाइप लाइन के जरिए उन्होंने मीठे पानी की निःशुल्क आपूर्ति कराई। श्रमदान में बाबा की अत्यधिक आस्था रही। इसलिए यहां उनके असंख्य अनुयायी श्रमदान करते नजर आते हैं। कुछ वर्ष पहले तक बाबा स्वयं भी श्रमदान किया करते थे। आश्रम की लगभग 80 एकड़ भूमि पर बड़े ही आधुनिक तौर तरीकों से खेती होती है, जिससे आश्रम की भोजन व्यवस्था चलती है। बाबा अपने जीते जी झोपड़ी में रहे। उनके सभी शिष्य भी इसी भी बाबा का अनुसरण करते हैं लेकिन अतिथियों के लिए आधुनिक सुविधा संपन्न अतिथि गृह है।

समाज सेवा

अपने आश्रम में अपने सद्‌गुरु देव ब्रह्मलीन घूरेलाल जी महाराज की पुण्य स्मृति में 160 फुट ऊंचे योग साधना मंदिर का निर्माण उन्होंने कराया। सफेद संगमरमर का यह मंदिर ताजमहल जैसा प्रतीत होता है। इस मंदिर के डिजाइन में मंदिर-मस्जिद का मिलाजुला रूप है। यह मंदिर समूचे ब्रज का सबसे ऊंचा व अनोखा मंदिर है। मंदिर में 200 फुट लंबा व 100 फुट चौड़ा सत्संग हॉल है, जिसमें लगभग साठ हजार व्यक्ति एक साथ बैठ सकते हैं। पूरा मंदिर श्रमदान से बना है।

क्वालिटी वाले म्यूचुअल फंड: सेफ्टी नेट के साथ निवेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज के बाजार में, जहां अनिश्चितता ही एकमात्र स्थिरता है, इस सोच ने नए सिरे से इन्वेस्टिंग के तरीकों को बदला है। क्वालिटी वाले म्यूचुअल फंड उन कंपनियों पर ध्यान केंद्रित करते हैं जिन्होंने बाजार में अपनी जगह बनाई है। ये वित्तीय रूप से मजबूत होते हैं, लगातार मुनाफा देते हैं, साफ-सुथरा इनका कॉर्पोरेट गवर्नेंस होता है, साथ ही अनुभवी नेतृत्व होता है।

क्वालिटी इन्वेस्टिंग में निरंतरता का मतलब ग्रोथ का त्याग नहीं है। इसके विपरीत, क्वालिटी कंपनियां आम तौर पर सस्टेनेबल अर्निंग देती हैं और कैपिटल को बेहतर तरीके से इन्वेस्ट करती हैं। हालांकि, ये रातोंरात लाभ नहीं दे सकती हैं, लेकिन ये समय के साथ वैल्यू को लगातार बढ़ाती हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि क्वालिटी इन्वेस्टिंग लॉन्ग-टर्म रिटर्न को बनाए रखने के लिए उचित कीमत पर खरीदारी पर भी जोर देती है।

क्वालिटी वाले म्यूचुअल फंड की एक प्रमुख ताकत फ्लेक्सिबिलिटी है। फंड मैनेजर किसी एक सेक्टर या कंपनी के साइज तक सीमित नहीं होते। वे लार्ज-कैप, मिड-कैप और चुनिंदा स्मॉल-कैप स्टॉक्स में जाते हैं, जो इस बात पर आधारित होते हैं कि असली क्वालिटी कहां है। इसका मतलब है कि निवेशक कोर थीम पर से ध्यान हटाए बिना डायवर्सिफिकेशन से लाभ उठाते हैं।

इसके अलावा, ऐसे फंडों पर काफी रिसर्च किया जाता है जो यह सुनिश्चित करते हैं कि प्रत्येक चयन सॉलिड मैट्रिक्स पर आधारित है - रिटर्न ऑन इक्विटी, रिटर्न ऑन इन्वेस्टेड कैपिटल, फ्री कैश फ्लो और पूरे बिजनेस का हेल्थ। अभी, कई क्वालिटी वाले स्टॉक अन्य निवेश शैलियों की तुलना में हाल ही में अंडरपरफॉर्मेंस के कारण उचित वैल्यूएशन पर ट्रेड कर रहे हैं। यह निवेशकों के लिए आकर्षक कीमतों पर हाई-क्वालिटी वाले बिजनेस में प्रवेश करने का एक अनूठा अवसर देता है।

नीतिगत बदलावों से लेकर जियोपॉलिटिकल टेंशन तक वैश्विक चुनौतियों के जल्द ही खत्म होने की संभावना नहीं है। ऐसे में क्वालिटी-फोकस पोर्टफोलियो एक संतुलित वाहन की तरह काम करता है। क्वालिटी म्यूचुअल फंड सिर्फ रिटर्न ही नहीं देते बल्कि भरोसा भी देते हैं।

पस्त पड़ा बाजार लेकिन 18 रुपये के शेयर में रॉकेट सी तेजी, मुकेश अंबानी की है कंपनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बाजार में बिकवाली के बीच शुक्रवार को मुकेश अंबानी की टेक्सटाइल कंपनी के शेयर डिमांड में थे। यह टेक्सटाइल कंपनी- आलोक इंडस्ट्रीज है। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को आलोक इंडस्ट्रीज के शेयर 3.13त बढ़कर 18.45 रुपये पर पहुंच गए। ट्रेडिंग के दौरान इस शेयर की कीमत 18.70 रुपये तक गई। यह शेयर जून 2024 में 29.97 रुपये पर था, जो 52 हफ्ते का हाई लेवल भी है। 7 अप्रैल 2025 को यह शेयर 13.90 रुपये के निचले स्तर पर आ गया। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो भी है।

आलोक इंडस्ट्रीज के शेयरहोल्डिंग पैटर्न की बात करें तो इसमें प्रमोटर्स की 75 फीसदी और पब्लिक शेयरहोल्डर्स की 25 फीसदी हिस्सेदारी है। प्रमोटर्स में मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज के पास 40 फीसदी हिस्सेदारी है। जानकारी के मुताबिक मार्च 2025 तिमाही के अंत तक आलोक इंडस्ट्रीज में 1,98,65,33,333 शेयर थे। जेएम फाइनेंशियल एसेट रिकंस्ट्रक्शन लिमिटेड के पास कंपनी में 1,73,73,11,844 शेयर या 34.99 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। रिलायंस और जेएम फाइनेंशियल, दोनों ही कंपनी के प्रमोटर, प्रमोटर समूह श्रेणी में आते हैं।हाल ही में आलोक इंडस्ट्रीज ने मार्च तिमाही के नतीजे जारी किए हैं।

23 मई को अनिल अंबानी की कंपनी की बड़ी बैठक, शेयर पर दांव लगाने की मची है होड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीते शुक्रवार को जब बाजार बिकवाली मोड में था तब अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर की डिमांड थी। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन रिलायंस के शेयर करीब 3 फीसदी चढ़कर 280 रुपये के स्तर पर पहुंच गए। कारोबार के अंत में शेयर 2.72त उछाल के साथ 279.15 रुपये पर बंद हुआ। जून 2024 में शेयर 143.70 रुपये और सितंबर 2024 में 350.90 रुपये पर था। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो और हाई है। शुक्रवार को शेयर बाजार की बात करें तो सेंसेक्स 200 अंक से ज्यादा टूटकर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी भी बिकवाली मोड में रहा।

होने वाली है बोर्ड बैठक - हाल ही में रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने बीएसई को सूचित किया है कि कंपनी के निदेशक मंडल की बैठक 23/05/2025 को निर्धारित है। इस बैठक में अन्य बातों के साथ-साथ 31 मार्च 2025 को समाप्त तिमाही के नतीजे जारी किए जाएंगे। बता दें कि पहले यह बैठक 16 मई को होने वाली थी।

अनिल अंबानी की रिलायंस इंफ्रा ईपीसी सेवाएं प्रदान करने, दिल्ली में बिजली वितरण और रक्षा क्षेत्र तथा मेट्रो, टोल रोड और हवाई अड्डों जैसे बुनियादी ढांचे के क्षेत्रों में कई परियोजनाओं के कार्यान्वयन, संचालन और रखरखाव के व्यवसाय में लगी हुई है। इसने मुंबई मेट्रो लाइन वन परियोजना को भी क्रियान्वित किया है। मार्च 2025 तक, प्रमोटरों के पास कंपनी में 16.50 प्रतिशत हिस्सेदारी थी।

बता दें कि रिलायंस के मार्च तिमाही के नतीजे अभी जारी नहीं हुए हैं। अक्टूबर-दिसंबर 2024 अवधि के दौरान - रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर का शुद्ध घाटा बढ़कर 3,298.35 करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले साल इसी अवधि में शुद्ध घाटा 421.17 करोड़ रुपये था।

कौन सी कंपनियां दे रहीं सबसे ज्यादा डिविडेंड

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार में मुनाफा कमाने का तरीका सिर्फ शेयर की कीमतों में बढ़ोतरी ही नहीं होता। बल्कि कंपनियों की ओर से शेयरहोल्डर्स को बांटे जाने वाले डिविडेंड से भी कई बार निवेशकों की अच्छी कमाई होती है। डिविडेंड वह राशि होती है, जो कोई कंपनी अपने मुनाफे में से शेयरधारकों को बांटती है।

ऊपर बताई गई सभी कंपनियों में से टपारिया टूल्स सबसे ज्यादा डिविडेंड ऑफर कर रहा है। इस कंपनी के एक शेयर का दाम 19.96 रुपये है। ये कंपनी अपने शेयरधारकों को 200.4 फीसदी का डिविडेंड देती है। इसके अलावा मल्टीबेस इंडिया अपने शेयर होल्डर्स को 18.33 फीसदी का डिविडेंड देती है। इसके अलावा एमएसटीसी 7% का डिविडेंड दे रही है।

इसके साथ ही स्टैंडर्ड इंडस्ट्रीज और गुजरात पीपावाव, केसॉल्व्स इंडिया और ऑलडिजी टेक लगभग 4 फीसदी से ज्यादा का डिविडेंड दे रही है।

डिविडेंड पर कितना टैक्स लगता है- यदि कोई भारतीय कंपनी डिविडेंड देती है तो उस पर आयकर दाता की इनकम स्लैब के अनुसार टैक्स लगता है। कंपनी डिविडेंड देते समय 10% टीडीएस काटकर ही भुगतान करती है। पैन न होने की स्थिति में 20% टीडीएस कटता है।

एमएसएमई को सस्ते लोन की योजना फिर हो सकती है शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। एमएसएमई निर्यातकों के लिए कर्ज पर सब्सिडी स्कीम फिर शुरू की जा सकती है। सरकार इस पर विचार कर रही है। दिसंबर 2024 में इस स्कीम को बंद कर दिया गया था। लेकिन अमेरिका के इंपोर्ट टैरिफ लगाने और ग्लोबल इकोनॉमी में अनिश्चितता को देखते हुए इसे फिर शुरू किया जा सकता है। इससे निर्यातकों को सस्ता लोन मिल सकेगा।

अभी निर्यातकों को बैंकों से 8 से 12 प्रतिशत तक ब्याज पर कर्ज मिलता है। एमएसएमई के लिए ब्याज की दर कई बार इससे भी अधिक हो जाती है। भारतीय MSME को चीन से कंपटीशन करना पड़ता है, जहां उद्यमियों को 2 से 3 प्रतिशत ब्याज पर लोन मिल जाता है।

कर्ज पर सब्सिडी की जरूरत क्यों है- भारत ने हाल ही इंग्लैंड के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट किया है। अमेरिका के साथ भी द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बात चल रही है। एक्सपोर्टर्स का कहना है कि इन अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहन देना जरूरी है।

निर्यातक सरकार से कई बार इस स्कीम को एक्सटेंड करने की मांग कर चुके हैं। पिछले बजट में जब स्कीम के विस्तार का जिक्र नहीं किया गया तो निर्यातक संगठनों ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से अलग से इसके लिए आग्रह किया।

उससे पहले निर्यातक संगठन फियो के तत्कालीन अध्यक्ष अश्विनी कुमार ने कहा था कि इस योजना को आगे बढ़ाने पर सकारात्मक रूप से विचार करना चाहिए। चीन में ब्याज दर 2-3 प्रतिशत है और इससे उनके निर्यातकों को काफी मदद मिलती है।

उन्होंने इस स्कीम में क्रेडिट लिमिट भी बढ़ाकर 50 लाख रुपये से बढ़ाकर 10 करोड़ रुपये करने की मांग की थी। उनका कहना था कि प्रति कंपनी 50 लाख रुपये की सीमा लगाने से अनेक एमएसएमई प्रभावित हुए हैं। सब्सिडी नहीं मिलने के कारण वे नए ऑर्डर पर निर्णय लेने में असमर्थ हैं।

निर्यातकों के लिए Interest equalisation scheme 2015 में शुरू की गई थी। पहली बार इसकी अवधि पांच साल के लिए यानी 31 मार्च 2020 तक थी। उसके बाद इसका कई बार विस्तार किया गया। आखिरी बार सितंबर 2023 में इसे दिसंबर 2024 तक बढ़ाया गया था।

इस योजना के तहत 10 में से लगभग 8 बेनिफिशियरी एमएसएमई ही थे। इस स्कीम में MSME exporters को 3% ब्याज सब्सिडी मिलती थी। निर्यातकों को प्री-शिपमेंट और

6 कंपनियों ने किया डिविडेंड का ऐलान, लिस्ट में हुंडई और BHEL भी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस समय कंपनियों की तरफ से तिमाही नतीजों का ऐलान किया है। तिमाही नतीजों के साथ कंपनियां डिविडेंड का भी ऐलान कर रही हैं। जिन कंपनियों ने कल तिमाही यानी शुक्रवार को तिमाही नतीजों के साथ डिविडेंड देने का फैसला किया है। न कंपनियों की लिस्ट में भेल, अशोक लेलैंड, हुंडई मोटर्स, ईमामी, एसकेएफ इंडिया और भारत बिजली है। आइए जानते हैं कि कौन सी कंपनी कितना डिविडेंड निवेशकों को दे ही है।

1- भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड- भेल ने बताया है कि एक शेयर 25 प्रतिशत का फाइनल डिविडेंड निवेशकों को दिया जाएगा। कंपनी 2 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर 0.50 रुपये का डिविडेंड दे रही है।

2- अशोक लेलैंड लिमिटेड - 1 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर 4.25 रुपये का डिविडेंड देने का फैसला किया है। कंपनी की तरफ से 14 जून 2025 से पहले योग्य निवेशकों को डिविडेंड का भुगतान कर दिया जाएगा।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

कामायनी एक्सप्रेस में बम की सूचना से मचा हड़कंप, एक घंटे खंडवा स्टेशन पर खड़ी रही ट्रेन

खंडवा। इटारसी से भुसावल की ओर जा रही वाराणसी-लोकमान्य तिलक कामायनी एक्सप्रेस में बम होने से सूचना से रेलवे महकमें में हडकंप मच गया। ट्रेन खंडवा पहुंचने पर यात्री को कोच से उतारकर करीब एक घंटे सघन जांच की गई। जांच में कोई भी विस्फोटक या आपत्तिजनक सामग्री बरामद नहीं हुई। ट्रेन क्रमांक् 11072 कामायनी एक्सप्रेस के कोच एस-4, एस-5 या बी-4 ,बी-5 में बम होने की सूचना जीआरपी पुलिस खंडवा को दोपहर करीब 12.42 बजे भोपाल जीआरपी कंट्रोल रूम से मिली थी। इस पर जीआरपी थाना प्रभारी एमपी ठक्कर ने तत्काल आरपीएफ,सिटी पुलिस और रेलवे के अधिकारियों को दी। सूचना के समय ट्रेन तलवड़िया रेलवे स्टेशन के पास थी।

ट्रेन खंडवा स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक पांच पर पहुंचते ही

जीआरपी,आरपीएफ, कोतवाली थाने की पुलिस टीम ने डाग स्क्वाड की मदद से ट्रेन की जांच शुरू की।

बताए गए कोच में कुछ नहीं मिलने पर सभी कोच की जांच की गई। इस दौरान एक लावारिस बैग मिलने पर बम निरोधक दस्ते व प्रशिक्षित डाग की मदद से तलाशी लेने पर कुछ नहीं मिला।

जांच के चलते करीब एक घंटे तक ट्रेन खंड़वा स्टेशन पर रोकनी पड़ी। बम या अन्य कोई सामग्री नहीं मिलने से सभी राहत मिली। इसके बाद ट्रेन को भूसावल की ओर दोपहर करीब 1.55 बजे रवाना किया गया।जीआरपी थाना प्रभारी एमपी ठक्कर ने बताया कि जलगांव कंट्रोल रूम को कामायनी एक्सप्रेस में बम होने की सूचना फोन पर मिली थी।उन्होंने यह जानकारी औरंगाबाद कंट्रोल रूम को दी। ट्रेन इस दौरान भोपाल रेल मंडल में होने से सूचना से भोपाल जीआरपी कंट्रोल रूम को अवगत करवाया गया।

भोपाल से हमे ट्रेन में बम होने की सूचना मिली। तत्काल आरपीएफ ,सिटी पुलिस और स्टेशन मास्टर को अवगत करवाया गया। ट्रेन की जांच में कोई विस्फोटक या संदिग्ध सामग्री नहीं मिली।

कामायनी एक्सप्रेस में बम होने की सूचना पर जांच की गई। इस दौरान ट्रेन करीब एक घंटा खंडवा में रोकना पड़ा। जांच उपरांत भुसावल की ओर रवाना किया गया।

-अरविंद साहा, स्टेशन मैनेजर,खंडवा।

दाढ़ के दर्द की दवा खाकर महिला की मौत, पति का आरोप सल्फास दे दी, हंगामे के बाद मेडिकल संचालक गिरफ्तार, स्टोर सील

झाबुआ। मध्य प्रदेश के झाबुआ से एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक महिला को दाढ़ में दर्द था। इसकी दवा लेने वह एक मेडिकल स्टोर पहुंची। स्टोर संचालक ने उसे जो दवा दी उसे खाकर महिला की तबीयत बिगड़ गई। इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

गुरुवार की दोपहर एक महिला को दाढ़ में दर्द था वह एक मेडिकल स्टोर पर दवा लेने पहुंची। दाढ़ दर्द की जगह महिला को गलत दवा दे दी गई। महिला ने जैसे ही दवा खाई कुछ देर बार उसे उल्टियां होने लगी। महिला के स्वजन उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। लेकिन उसकी मौत हो गई। महिला के पति द्वारा मेडिकल संचालक पर गलत दवा देने से महिला की मौत होने का आरोप लगाया। पुलिस ने मेडिकल संचालक को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। उसके बाद न्यायालय द्वारा उसे जेल भेज दिया गया। झाबुआ थाना प्रभारी आरसी भास्करे ने बताया कि मृतक के स्वजनों के अनुसार बात यह है।

ग्राम धरमपुरी की रेखा पति पिंजू सिंगाड़ गुरुवार दोपहर करीब दो बजे की घटना है।शहर के अटल कॉम्प्लेक्स स्थित एक मेडिकल की दुकान पर दाढ़ दर्द की दवा लेने गई थी।इस दौरान मेडिकल संचालक ने उसे दूसरी दवा दे दी। जब उसने वह दवाई घर पहुंचकर खाई।तो उसके एक घंटे बाद महिला को उल्टियां होने लगी।तबीयत बिगड़ने पर उसके स्वजन उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल लाए लेकिन उसकी मौत हो गई।

मामला दर्ज किया गयामहिला की मौत के बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया।मामला दर्ज होते ही मेडिकल संचालक को पुलिस थाने ले आई।

उसे गिरफ्तार कर न्यायलय में पेश किया गया।न्यायालय द्वारा उसे जेल भेज दिया गया।मेडिकल स्टोर सील किया गया सूचना मिलने के बाद ड्रग्स इंस्पेक्टर गीतम पटोरिया ने मेडिकल स्टोर पहुंचकर पंचनामा कार्रवाई की।पंचनामा कार्रवाई के बाद मेडिकल स्टोर को सील कर दिया गया।पटोरिया का कहना है कि मेडिकल की जांच की जाएगी। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सूचना पर कार्रवाई हुई पुलिस अधीक्षक पद्मविलोचन शुक्ल का कहना है कि महिला के स्वजनों द्वारा की गई शिकायत के बाद झाबुआ थाने पर मामला दर्ज किया गया। महिला के शव का पीएम करवाया गया हैं।

आर्डनेंस फैक्ट्री खमरिया में एंटी एयरक्राफ्ट गन एल-70 का ट्रायल उत्पादन फिर से हो सकता है शुरू

जबलपुर । पाकिस्तान के खिलाफ आपरेशन सिंदूर में अपने अचूक निशाने से सबसे सटीक प्रदर्शन करने वाली एंटी एयरक्राफ्ट गन एल-70 ने आर्डनेंस फैक्ट्री खमरिया (ओएफके) को अपने उत्पादन पर गर्व करने का अवसर दे दिया है। यह एडवांस वर्जन है और एल-70 गन ओएफके का ही उत्पादन है। करीब तीन साल पहले तक सेना को बनाकर दिया जा रहा था। शांति काल के कारण इसकी उपयोगिता सीमित होने से रक्षा उत्पादन बंद था। लेकिन हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर में जिस तरह दुश्मन के लक्ष्य को भेदने में एल-70 सफल हुई और भारतीय सेना की एक मजबूत ताकत बनकर उभरी, इसे ध्यान में रखते हुए ओएफके इसके एक बार फिर ट्रायल उत्पादन की तैयारियों में जुटा हुआ है। संभावना है कि उत्पादन जल्द शुरू हो सकता है।इन हाउस तैयारियों को पुख्ता किया जा रहा

सूत्रों के अनुसार म्यूनिशंस इंडिया लिमिटेड (एमआईएल) की एक इकाई ओएफके एल-70 के ट्रायल उत्पादन शुरू करने से पहले इन हाउस तैयारियों को पुख्ता करने के साथ मंथन में जुटा है। सेना से रक्षा उत्पादन को हरी झंडी मिलने के बाद कार्य के गति पकड़ने की संभावना है।

दो युवकों की निर्मम हत्या से भड़का आक्रोश, वाहनों व शराब दुकान में आगजनी

सिवनी। जिले के केवलारी तहसील मुख्यालय में शुक्रवार देर रात दो युवकों की हत्या हो गई। इसके चलते शनिवार सुबह वहां स्थिति तनावपूर्ण बन गई है। शनिवार सुबह केवलारी मुख्यालय में आक्रोशित भीड़ ने चांदनी चौक में चक्काजाम कर केवलारी थाना परिसर का घेराव कर दिया। इतना ही नहीं आक्रोशित लोगों ने सड़क में कई जगह टायर जलाए और केवलारी की शराब दुकान में भी आग लगा दी। इस आगजनी की चपेट में कुछ वाहनों के भी आने की बात कही जा रही है। युवकों की निर्मम हत्या के विरोध में सड़क पर उतरे लोगों का कहना है कि केवलारी थाना प्रभारी ब्रजेश उइके को हटाया जाए और हत्या के आरोपितों की तत्काल गिरफ्तारी की जाए।

शनिवार की सुबह आक्रोशित लोगों को काबू में करने पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा। अधिकारियों का कहना है कि केवलारी की स्थिति पूरी तरह पुलिस के नियंत्रण में है।

पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उनको सांत्वना दी जा रही है और मामले में कठोर कार्रवाई का भरोसा भी दिलाया जा रहा है।

तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए केवलारी में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। लोगों में आक्रोश को देखते हुए व्यापारियों के सुबह से

ही अपने प्रतिष्ठानों को बंद रखा।

स्टेट हाईवे से केवलारी नगर के दोनों प्रमुख प्रवेश मार्ग में फिलहाल वाहनों का आवागमन नहीं हो रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक सुनील कुमार मेहता, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जीडी शर्मा समेत जिले के अन्य पुलिस अधिकारियों ने केवलारी पहुंचकर मोर्चा संभाल रखा है।

ये है पूरा मामला

जानकारी के अनुसारकेवलारी थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात ग्राम परासपानी निवासी अमन बघेल(20) और रूपक उर्फ रूपेश बघेल(25) पर अज्ञात कारणों से धारदार हथियार से हमला कर दिया गया।

गंभीर रूप से घायल दोनों युवकों को केवलारी अस्पताल लाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला चिकित्सालय सिवनी रेफर कर दिया गया। जहां दोनों की मौत हो गई।

युवकों की हत्या की खबर केवलारी क्षेत्र में फैलने के बाद पीड़ित परिवार व ग्रामीण आक्रोशित हो गए।

लोगों की नाराजगी के चलते अमन बघेल का पोस्टमार्टम तो केवलारी में हुआ, जबकि रूपक उर्फ रूपेश बघेल का पीएम सिवनी में कराना पड़ा।

केवलारी की स्थिति पूरी तरह पुलिस के नियंत्रण में है। आक्रोशित लोगों को शांत कराने का प्रयास किया जा रहा है। प्रदर्शन कर रहे लोगों द्वारा हत्या के आरोपितों को तत्काल पकड़ने और केवलारी थाना प्रभारी को हटाने की मांग की जा रही है। प्रकरण में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

- सुनील कुमार मेहता, पुलिस अधीक्षक सिवनी।

रतलाम में पोल पर चढ़ा बिजलीकर्मी करंट लगने से नीचे गिरा, गुस्साए ग्रामीणों ने किया चक्काजाम

रतलाम । रतलाम जिले में बिजली पोल पर लाइन सुधारने व अन्य कार्य करने के दौरान कर्मचारियों को करंट लगने की घटनाएं होती रहती है। पिपलौदा में एक माह पहले बिजली पोल पर चढ़ककर कार्य करने के दौरान आउटसोर्स बिजलीकर्मी 40 वर्षीय शांतिलाल पोरवाल की मौत हो गई थी।

वहीं शनिवार सुबह बिलपांक थाना क्षेत्र के ग्राम धानासुता में बिजली पोल पर कार्य कर रहे आउटसोर्स कर्मचारी 36 वर्षीय राकेश माली को करंट लग गया। वह कुछ पल वह पोल पर चिपका रहा तथा कुछ देर बाद नीचे गिर गया। उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना से ग्रामीणों में रोष फैल गया तथा उन्होंने सड़क पर धरना देकर व चक्काजाम कर बिजली कंपनी के खिलाफ नारेबाजी कर प्रदर्शन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव हुए तिरंगा यात्रा में शामिल- पूरा इंदौर हुआ देश भक्ति से ओतप्रोत

अपने शौर्य और पराक्रम से वीरता की अप्रतिम गाथा रचने वाले भारत के वीर सैनिकों के सम्मान में निकली तिरंगा यात्रा

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज इंदौर में अपने शौर्य और पराक्रम से वीरता की अप्रतिम गाथा रचने वाले भारत के वीर सैनिकों के सम्मान में अपार जोश और उल्लास के साथ निकली तिरंगा यात्रा में शामिल हुए। यह तिरंगा यात्रा बड़ा गणपति से प्रारंभ हुई और गोराकुण्ड, खजुरी बाजार होते हुए ऐतिहासिक महत्व के राजबाड़ा पर सम्पन्न हुई। पूरी यात्रा में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव विशेष रथ में सवार थे और हर तरफ हाथ हिलाकर उन्होंने नागरिकों का अभिवादन किया। इस यात्रा के माध्यम से पूरा शहर राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत हो गया और पूरा आसमान भारत माता की जय तथा वंदेमातरम् के उदघोष से गुंजायमान रहा। यात्रा में बच्चों से लेकर वृद्धों तक हर आयु वर्ग के लोगों की भागीदारी रही। यात्रा में हर धर्म, हर जाति और हर वर्ग के लोग इस यात्रा में शामिल हुये और उन्होंने अपने राष्ट्रप्रेम की झलक बिखरते हुए सेना के प्रति अपना सम्मान व्यक्त किया।

यात्रा में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सांसद श्री शंकर लालवानी तथा सुश्री कविता पाटीदार, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, पूर्व लोकसभा अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा महाजन, विधायकगण श्री रमेश मेंदोला, श्री गोलू शुक्ला, श्रीमती मालिनी गौड़, श्री महेंद्र हार्डिया, श्री मनोज पटेल, श्री सुमित मिश्रा तथा श्री श्रवण चावड़ा सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी साथ थे।

भारतीय सेना ने दिखायी ऐतिहासिक शौर्य, पराक्रम और वीरता- यात्रा को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अब नए दौर का शक्तिशाली भारत दिखाई दे रहा है। भारत के नए दौर में ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से हमारी तीनों सेना ने अपने साहस, शौर्य, पराक्रम और वीरता से दुश्मनों को करारा जवाब दिया है। भारतीय सेना ने दुश्मन को अल्प समय में ऐतिहासिक जवाब दिया है। ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से पूरी दुनिया ने हमारी ताकत, एकजुटता और अत्याधुनिक हथियारों का उपयोग देखा है।

आतंकवादियों के मंसूबों को भी नाकाम किया गया है। कोई भी ताकत अब भारत को आगे बढ़ने से नहीं रोक सकती। हम सब सेना को सम्मान देने के लिए इस यात्रा में एकत्रित हुए हैं।

डेंगू के प्रति जागरूक रहने के संबंध में मनाया गया राष्ट्रीय डेंगू दिवस

इंदौर। इंदौर जिले में आज राष्ट्रीय डेंगू दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत क्षेत्रीय संचालक डॉ. शाजी जोसेफ, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी. एस. सैत्या, संभागीय कीट विज्ञानी डॉ. सी. एस. शर्मा द्वारा समस्त मलेरिया कर्मचारियों को डेंगू के प्रति जागरूक रहने एवं प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करने हेतु शपथ दिलवाई गई। इस वर्ष की थीम- देखें, साफ करें, ढकें- डेंगू को हराने के उपाय करें हैं। जिला मलेरिया अधिकारी श्री दौलत पटेल द्वारा बताया गया कि प्रत्येक वर्ष 16 मई को राष्ट्रीय डेंगू दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसका उद्देश्य लोगों को डेंगू के प्रति जागरूक करना है। विदित हो कि 2024 में इंदौर जिले में 550 डेंगू के मरीज पाए गए थे, प्रभावित क्षेत्र में मलेरिया विभाग की एंटी लार्वा टीम द्वारा प्रतिबंधात्मक कार्रवाई कर नगर निगम के सहयोग से संपूर्ण क्षेत्र में फॉगिंग एवं दवाई का छिड़काव भी किया गया था। साथ ही 2024 के हाई रिस्क क्षेत्र को चिन्हित कर कार्यवाही हेतु मलेरिया कर्मचारियों के दलों को निर्देशित भी किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा के निवास पहुँचकर शोक संवेदना व्यक्त की

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज पलसीकर कॉलोनी स्थित पूर्व मंत्री श्री सज्जन सिंह वर्मा के निवास पहुँचे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री वर्मा के सुपुत्र श्री गगन वर्मा के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक प्रकट किया। उन्होंने स्व. गगन वर्मा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और परिजनों को ढांढस बंधाया।

सामुदायिक वन अधिकारों, वन संसाधनों के संरक्षण एवं प्रबंधन पर दो दिवसीय संभागीय कार्यशाला सम्पन्न

इंदौर। राज्य शासन के दिशा-निर्देशानुसार वन अधिकार अधिनियम 2006 के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में एक और कदम बढ़ाते हुए इंदौर में सामुदायिक वन अधिकारों, वन संसाधनों के संरक्षण एवं प्रबंधन विषय पर आयोजित दो दिवसीय संभाग स्तरीय कार्यशाला का आज समापन हुआ। यह कार्यशाला संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की विशेष उपस्थिति में आयोजित की गई। कार्यशाला के दूसरे दिन आज इन्दौर एवं उज्जैन संभाग के जिला स्तरीय वनाधिकार अधिनियम समिति के शासकीय सदस्य शामिल हुए। इन्हें वनाधिकार अधिनियम के तहत सामुदायिक वनाधिकार, सामुदायिक वन संसाधन के संरक्षण एवं प्रबंधन के संबंध में जानकारी दी गई। कार्यशाला में इन्दौर एवं उज्जैन संभाग के जिला कलेक्टर, वन-मण्डलाधिकारी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं सहायक आयुक्त/जिला संयोजक जनजातीय कार्य विभाग शामिल हुए।

मध्यप्रदेश, गुजरात की तर्ज पर कर रहा है उद्योगों का तेजी से विकास : मुख्यमंत्री

इंदौर मेट्रोपोलिटिन एरिया के विकास का संकल्प

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश देश के मध्य में होने, श्रमिकों, सहयोगी नागरिकों, सड़क और अन्य आवागमन सुविधाओं, प्रशासनिक प्रक्रियाओं की सरलता के कारण औद्योगिक निवेश के लिए सर्वाधिक अनुकूल राज्य है। गुजरात हमारे लिए आदर्श है। मध्यप्रदेश भी गुजरात की तर्ज पर उद्योगों के विकास का कार्य कर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हाल ही में बेंगलुरू में भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड (बीईएमएल) द्वारा मध्यप्रदेश में रायसेन जिले में मेट्रो और रेल कोच निर्माण इकाई की स्थापना के लिए की गई पहल पर त्वरित कार्रवाई कर कुल 60.063 हेक्टेयर भूमि आवंटन का निर्णय बिना विलंब के लिया गया। यह प्रदेश की उद्योग संवर्धन और निवेश वृद्धि की पारदर्शी नीति का नवीनतम उदाहरण है। मध्यप्रदेश उद्योगों के अनुकूल नीतियों को लागू कर उस स्वस्थ प्रतिस्पर्धा में शामिल है, जिसके लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी प्रयासरत हैं। उन्होंने हाल ही में पाकिस्तान को मुँहतोड़ जवाब देकर सशक्त नेतृत्व की बेहतरीन मिसाल पेश की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार की शाम इंदौर में टेक्सटाइल एक्सपो को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी की नीतियों से देश का समूचा परिदृश्य बदल गया है। उद्योगों के विकास के साथ धन के अर्जन के साथ मानवीय पक्ष को महत्व देने की भारतीय संस्कृति रही है।

इंदौर जिले में बाल विवाह रोकथाम हेतु कार्यशाला का हुआ आयोजन

इंदौर। इंदौर जिले में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान अंतर्गत जागरुकता हेतु धर्मगुरु, विभिन्न समाजों के मुखिया, विवाह समारोह में सर्विस प्रदाताओं, पटवारी, आंगनवाडी कार्यकर्ता की एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन आज ग्राम पंचायत नैनोद में किया गया। उक्त प्रशिक्षण कार्यशाला में श्री श्रवण चावडा, जिला पंचायत सदस्य श्री दिलीप पटेल, सरपंच श्री सुरेन्द्र सिंह सोलंकी, पंच श्रीमती नीतू जैन, परियोजना अधिकारी श्रीमती ममता कनेश, बाल संरक्षण अधिकारी श्री भगवानदास साहू, राजस्व निरीक्षक श्री धर्मेन्द्र शर्मा, पटवारी श्री प्रदीप चौहान उपस्थित थे।

कार्यशाला को संबोधित करते हुये श्री चावडा ने कहा कि जनता को जागरूक करने से पहले स्वयं का जागरूक होना जरूरी है। कुप्रथा की रोकथाम के लिए लोगों को जागरूक करने से पहले हमें खुद जागरूक होना होगा। व्यक्ति अपने घर से ही शुरुआत करें तो धीरे-धीरे समाज से बाल विवाह जैसी प्रथा को जड़ से खत्म कर सकता है। बाल विवाह विरोधी उड़नदस्ते के श्री महेन्द्र पाठक ने बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम की जानकारी देते हुये कहा कि बाल विवाह करने और करने वाले ही नहीं उसमें शामिल होने वाले सभी लोगों के साथ ही सेवा प्रदाता भी दोषी है।

मानव सेवा सम्मान से सम्मानित हुए ओमप्रकाश खटके

इंदौर। न्याय क्षेत्र में आपकी सेवाएं अस्मरणीय है सेवाएं देने वाले और न्याय के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा से न्याय से वंचित लोगों को न्याय दिलाने में मददगार है। आपके द्वारा निस्वार्थभाव से जरूरतमंदों की मदद कर अपने कर्तव्यों के प्रति हमेशा खड़े रहने वाले एडवोकेट ओमप्रकाश खटके को श्री गीता रामेश्वरम् ट्रस्ट के संरक्षक एवं अ.भा. कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव और पूर्व विधायक सत्यनारायण पटेल ने मानव सेवा सम्मान से सम्मानित किया एवं श्री खटके के द्वारा दी जा रही सेवाओं के लिए बधाई दी।

जानकारी देते हुए ट्रस्ट के अध्यक्ष विनोद सत्यनारायण पटेल एवं सचिव चेतन चौधरी ने बताया कि सम्मान समारोह के अवसर पर स्टेट बार कांउसिल के सदस्य जय हार्डिया, समाजसेवी मदन परमालिया, एडवोकेट संतोष यादव एवं अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

तुलसी नगर में आस्था का उजाला: सरस्वती धाम में चार नए हाई मास्ट लगाए जाएंगे; जल गंगा संवर्धन अभियान की हुई शुरुआत

इंदौर। शहर के हृदय स्थल तुलसी नगर में स्थित मां सरस्वती धाम, जो अपनी आध्यात्मिक भव्यता और भक्तों की अटूट आस्था का प्रतीक बन चुका है, अब और अधिक निखरने जा रहा है। इस पवित्र स्थल को न केवल रोशनी से जगमग किया जाएगा, बल्कि इसे आधुनिक सुविधाओं से भी सुसज्जित किया जाएगा। शुक्रवार को स्थानीय पार्षद संगीता महेश जोशी ने कॉलोनी के गणमान्य नागरिकों और उत्साहित रहवासियों की उपस्थिति में चार नए हाई मास्ट लगाने के लिए भूमि पूजन किया। यह पहल न सिर्फ मंदिर प्रांगण को रोशन करेगी, बल्कि रहवासियों की सुरक्षा और सुविधा को भी नया आयाम देगी।

पार्षद प्रतिनिधि महेश जोशी ने इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा, स्थानीय विधायक महेंद्र हार्डिया के मार्गदर्शन में नगर निगम विधान सभा क्रमांक 5 के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 37 स्थित सभी कालोनियों के उद्यानों और धार्मिक स्थलों को और विकसित करने के लिए कटिबद्ध है। मां सरस्वती धाम में चार हाई मास्ट और पांच नए लैंप पोस्ट स्थापित किए जाएंगे। इसके साथ ही, मंदिर के चारों ओर आकर्षक पाथवे का निर्माण होगा, जिसे लैंप पोस्टों से रोशन किया जाएगा। उन्होंने आगे बताया कि तुलसी नगर के अन्य धार्मिक स्थल, जैसे अंतेश्वर धाम और सोमेश्वर महादेव मंदिर, भी विकास की इस कड़ी में शामिल किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चाचा नेहरू बाल चिकित्सालय के कायाकल्पित स्वरूप का किया लोकार्पण

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज इंदौर में प्रदेश के सबसे बड़े शासकीय बाल चिकित्सालय चाचा नेहरू बाल चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र के जनभागीदारी से कायाकल्पित स्वरूप का लोकार्पण कर प्रदेशवासियों को समर्पित किया। लोकार्पण के उपरान्त मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चिकित्सालय की अत्याधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण पीडियाट्रिक इंटेंसिव केयर यूनिट (पीआईसीयू) का अवलोकन कर सराहना की। इस दौरान संभागायुक्त श्री दीपक सिंह, कलेक्टर श्री आशीष सिंह, डीन डॉ. अरविन्द घनघोरिया, चाचा नेहरू बाल चिकित्सालय अधीक्षक डॉ. प्रीति मालपानी उपस्थित थे। चाचा नेहरू बाल चिकित्सालय जनभागीदारी और जनसहयोग से कायाकल्प किए जाने का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत करता है। लगभग आठ करोड़ रुपए की लागत से दो चरणों में चिकित्सालय का कायाकल्प किया जा रहा है।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

तपस्या आत्म कल्याण के लिए करो, दिखावे के लिए नहीं, साधना में ढोंग मत करो- आचार्य श्री विशुध्दसागरजी

जागरण उज्जैन। विशुध्द भावों से किया गया तप ही सिध्दि का साधन है। तपस्या आत्म कल्याण के लिए करो, बाह्य दिखावे के लिए नहीं। ढंग का जीवन जियो, साधना के क्षेत्र में ढोंग मत करो। अन्य क्षेत्र में किया गया पाप धर्म क्षेत्र में दूर किया जा सकता है, परंतु धर्म क्षेत्र में किया गया शिथिलाचार, पाप बज्रलेप के समान कठोर होता है। जितनी जितनी भाव विशुध्दि होगी उतना उतना सुख प्राप्त होगा। तपस्या करो, परंतु जगत की चाह मत करो।

यह बात दिगंबर जैन आचार्यश्री विशुध्दसागरजी गुरूदेव ने धर्मसभा में संबोधित करते हुए कही। प्रदीप झांझरी, शांतिकुमार कासलीवाल एवं अभिषेक विनायक ने बताया कि आचार्यश्री के पाद प्रक्षालन अंबर जैन परिवार द्वारा किया गया। संचालन अनिल गंगवाल ने किया। धर्मसभा में आचार्यश्री विशुध्दसागरजी ने कहा कि वह आपके बंधु हितैशी मित्र नहीं है जो

सिनेमा घर ले जायें, अपितु सच्चे हितकारी मित्र वह हैं जो आपकी सत्य, संयम और आत्म कल्याण के मार्ग पर लगायें। जो पाप क्रियाओं में लिप्त करें, वे आपके प्रतिकूल मित्र हैं और जो पाप से रोकें, पुण्य से जोड़े वह आपके अनुकूल शत्रु हैं। जो दुख में साथ दें, कष्टों से उभार लें, संकटों में भी साथ न छोड़े वही सच्चा मित्र है। मित्र तबेले की पैंदी की तरह होना चाहिये, मित्र पारे की तरह न हो। सच्चा मित्र अपना सर्वस्व न्यौछावर कर अपने मित्र को उत्कर्ष के मार्ग पर अग्रसर करता है।

देश के सैनिकों के लिए भी दुआ करो देश के नागरिक घर में शांति का जीवन जीते उसी समय देश के सिपाही सैनिक देश की सीमा पर सजगता के साथ खड़े रहते हैं। सच्चा सैनिक अपने प्राण न्योछावर कर देता है, परंतु वह शत्रुओं के समक्ष पीछे नहीं हटता है। सैनिक और साधु एक समान होते हैं, सैनिक शत्रुओं से रक्षा करता है, साधु आंतरिक पापों से रक्षा करते हैं। देश की खुशहाली के लिए नागरिकों को देश की सीमा पर खड़े सैनिकों के लिए भी दुआ करना चाहिये।

संतान को जन्म देने के साथ संस्कार भी दो

अपनी संतान को गाली देना नहीं सिखाना। संतान को जन्म देना तो चिड़िया भी जानती है, संतान को संपत्ति देने के साथ अच्छे संस्कार भी प्रदान करो। संस्कार शून्य संतान शत्रु के समान कष्ट प्रदान करती है। संतान श्रवणकुमार जैसी हो, संतान राम जैसी हो, परंतु कंस व रावण जैसी न हो, कुणिक जैसी न हो।

अतिशय क्षेत्र श्री नेमीनाथ जीनालय जयसिंहपूरा में शिलान्यास 19 मई को अतिशय क्षेत्र श्री नेमीनाथ जीनालय जयसिंहपूरा में शिलान्यास समारोह 19 मई सोमवार को होगा। इस हेतु पट्टाचार्य संघ का मंगल प्रवेश प्रातः 7.30 बजे होगा। प्रस्तावित मंदिर माडल का लोकार्पण प्रकाशचंद्र विरबाला कासलीवाल द्वारा किया जाएगा।

प्रमुख शिलान्यास कर्ता अशोक कुमार सुनील कुमार जेसवाल हैं। गुरु भगवंत पट्टाचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज, गणधर मुनि श्री विवर्धन सागर जी महाराज, गणिनी आर्यिका विभाश्री माताजी, मुनि श्री प्रसिद्ध सागर जी महाराज, मूल संघ की 3 आर्यिका माताजी के पावन सानिध्य में प्रतिष्ठाचार्य धर्मचंद शास्त्री दिल्ली, सह प्रतिष्ठाचार्य पंडित नितिन झांझरी के निर्देशन में यह अभूतपूर्व आयोजन सम्पन्न होगा।

स्नैक्स और स्टार्टर आज की भोजन पद्धति के महत्व पूर्ण अंग हैं – रुखसाना नागौरी

उज्जैन। स्नैक्स और स्टार्टर आज की भोजन पद्धति के महत्व पूर्ण अंग हैं।

यह बात जामिया इस्लामिया हायर सेकंडरी स्कूल सब्जी मंडी में जज़्बा सोशल फाऊंडेशन के समर कैंप में आयोजित स्नैक्स और स्टार्टर बनाना सिखाने के सत्र में रुखसाना नागौरी ने कही। ज़मीर उल हक और नईम खान ने बताया कि रुबीना कुरेशी ने उर्मिला बागड़िया द्वारा दी जा रही इस ट्रेनिंग को मील का पत्थर बताया। भुरू शेख और इरशाद नागौरी ने बताया कि शाहिदा नईम खान ने कहा कि आधुनिक जीवन पद्धति में भोजन की शुरुआत ही स्टार्टर से होती है। आरिफ खान और फैज़ जाफरी ने बताया कि राशेदा अंसारी ने कहा कि स्टार्टर को टेस्ट करके ही आप भोजन की गुणवत्ता का आकलन कर सकते हैं। वसीम अब्बास और सबी उल हसन ने बताया कि इस सत्र में छात्राओं को अनेक तरह के स्नैक्स और स्टार्टर बनाना सिखाया गया, जिसमें सहयोग बुशरा उल हक, शबनम खान, शगुफ्ता कुरेशी, शबनम अब्बास आदि ने किया। सफदर बेग और अबुल हसन ने बताया कि छात्राओं ने अपनी जिज्ञासाओं को लेकर प्रश्न किए जिसका तत्काल समाधान भी श्रीमती बागड़िया ने किया। जफर आलम अंसारी और इमरान खान ने बताया कि कार्यक्रम का रोचक संचालन समीर उल हक ने किया। सरफराज हुसैन और असलम मंसूरी ने बताया कि आभार गुलरेज खान ने माना।

उज्जैन के बिगड़े यातायात को सुधारने के लिए शहर सारथी ने किया सर्वे प्रारंभ

उज्जैन। ई रिक्शा, ऑटो, मैजिक की बढ़ती संख्या से उज्जैन के बिगड़े यातायात को सुधारने की दृष्टि से 'शहर सारथी' द्वारा एक सर्वे कराया जा रहा है जिसमें आमजन के साथ वाहन चालकों से यातायात सुधार हेतु राय मांगी जा रही है। ई रिक्शा, ऑटो, मैजिक के बढ़ने से उज्जैन में पैदा हुई यातायात की समस्या को दूर करने हेतु प्रशासन द्वारा दो शिफ्टों में लाल और पीले पट्टो के माध्यम से विभाजित करते हुए ईरिक्शा, ऑटो चलाने की पहल की गई थी जिसमें वाहन चालकों को दुविधा होने के कारण प्री - पेड बूथ स्थापित करते हुए बूथ के माध्यम से वाहन चालक अपनी गाड़ी को रजिस्ट्रेशन करवाते हुए वाहन चलाये एवं यात्रियों की सुरक्षा, दरों में स्पष्टता एवं किराए में समानता को देखते हुए यात्रा को सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से शुरू की है।

मुख्यमंत्री ने सेवा कार्य के लिए किया राजवानी, कपिल एवं वेद का सम्मान

उज्जैन। संत कंवर राम उद्यान में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने दिव्यांगों की सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहने वाले दीपक राजवानी, वेद आडवाणी, कपिल बासनी को अभिनंदन पत्र देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक महेश परियानी, संस्था अध्यक्ष श्याम माहेश्वरी, लोकेश आडवानी, डॉ मनोज वेश्नोई गोल्डन बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड से, सुनील नवलानी, जयेश श्रॉफ, दीपक बेलानी, विट्ठल नागर, विशाल नीमा, पवन खुबानी, मनीष तेजवानी, रमेश गजरानी, महेश गंगवानी, दौलत खेमचंदानी, आनंद पुरोहित, राजेंद्र शाह विशेष रूप से उपस्थित थे। जिसमें दिव्यांगों के साथ-साथ सैकड़ो महिला पुरुष उपस्थित थे। मुख्यमंत्री द्वारा सेवा करने वालों का अभिनंदन होने पर समाज में हर्ष व्याप्त है। कार्यक्रम का सफल संचालन गोपाल बलवानी ने किया।

सेना का अपमान करने वाले मंत्री शाह और उपमुख्यमंत्री देवड़ा का फूंका पुतला

उज्जैन। सेना का अपमान करने वाले भाजपा के मंत्री विजय शाह एवं उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा का शहर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश भाटी के नेतृत्व में पुतला फूंका गया।

शहर अध्यक्ष मुकेश भाटी ने कहा कि प्रदेश में जिम्मेदार पदों पर बैठे नेताओ ने देश की सेना के प्रति कहे गए शब्दो से पूरा देश आहत हैं और देश और प्रदेश के भारतीय जनता पार्टी के नेता चुप्पी साधे हुए हैं, जो आश्चर्यजनक है। देश की सेना के प्रति अनर्गल टिप्पणी करने वाले मंत्री और उप मुख्यमंत्री का पुतला संगठन मंत्री अजय राठौर, ब्लॉक अध्यक्ष पं. अभीषेक शर्मा लाला, विरेन्द्र गोसर, पंडीत श्रवण शर्मा, रमेश परिहार, चेन सिंह चौधरी, देवव्रत यादव, दारा सिंह पहलवान, चंद्र भान सिंह चंदेल, पार्षद छोटेलाल मंडलोई, परमानंद मालवीय, ईमरान खान, सोनिया ठाकुर, प्रेमलता रामी, सपना सांखला, नीलम विश्वास, स्वाती सिंह, मक्का अली, सीमा डोडिया, मदीना अली, प्रकाश सोलंकी, शयाम जटिया, चुन्नीलाल धैर्य, रमेश सांखला, सुशील गोधा, वरुण शर्मा, रहीम लाला, संचित शर्मा, देवेंद्र पाटनी, अर्पण राठौर, पार्षद अनवर नागोरी, सादिक कुरेशी, फिरोज़ पठान, नीलेश खुले, आबिद खान, अर्पित यादव, संकेत रामी, विक्की भदौरिया, अनील चौहान, आलम लाल, शहनवाज खान, प्रीतेश शर्मा, जीतेंद्र डागरे, राजा ठाकुर, जुबेर मेव, तूफान सिंह, नोशाद भाई, गणेश मीणा, चंदू यादव, रोहित मीणा सहित शहर कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं सैकडों कार्यकर्ताओं ने फूंका।

सम्राट विक्रमादित्य ने भी विदेशी आक्रमणकारियों को पराजित किया था – डॉ. मोहन यादव

उज्जैन। भारतीय जनता पार्टी जिला उज्जैन ग्रामीण की वर्तमान राष्ट्रीय परिदृश्य एवं ऑपरेशन सिंदुर में प्रदर्शित सेना के शौर्य एवं पराक्रम के लिये विशाल तिरंगा यात्रा का आयोजन जिले के समस्त मण्डलों में किया जाना है। जिस हेतु भाजपा लोकशक्ति कार्यालय पर एक महत्वपूर्ण बैठक आहूत की गई, जिसमें प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री माननीय डॉ. मोहन यादव जी का मार्गदर्शन मिला।

बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जिस प्रकार सम्राट विक्रमादित्य ने विदेशी आक्रमणकारियों को पराजित कर देश से खदेड़ दिया था, आज फिर से हमारी सेना ने वहीं शौर्य ओर पराक्रम दिखाते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत की सेना ने पाकिस्तान में दाखिल होकर दुश्मनों से बदला लिया। भारतीय सेना के शौर्य, पराक्रम ओर अदम्य साहस पर संपूर्ण देश को गर्व है। ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से दुनिया के सामने हमारी सेनाओं ने साहस ओर शौर्य के प्रमाण दिये है। हमने एकजूट होकर विश्व को यह संदेश दिया कि दुश्मन कितना ही चालक क्यों ना हो, हम अपनी एकता को अशुर्ण रखेगें।

उज्जैन बाबा महाकाल की नगरी है, यह सम्राट विक्रमादित्य के पराक्रम की नगरी है। बैठक को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी उज्जैन ग्रामीण जिलाध्यक्ष श्री राजेश धाकड ने कहा कि राष्ट्रीय एकता सर्वोपरि है, इसे यदि शत्रुओं ने हानि पहुंचाने की कोशिश की तो उसे मुंह तोड़ जवाब दिया जायेगा। ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश की सेना ने पाकिस्तान को मुंह तोड़ जवाब दिया। ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से पाकिस्तान में नौ स्थानों पर आतंकियों के ट्रेनिंग केम्प को मिट्टी में मिला दिया, ओर पूरे विश्व को दिखा दिया कि भारत अब आतंकवादी घटनाओं को बर्दाश्त नहीं करेगा, उन्होनें कहा कि तिरंगा यात्रा का उद्देश्य भारत सैनिकों का मनोबल बढाना ओर उन्हें धन्यवाद देना है। जिलाध्यक्ष ने पार्टी के आगामी कार्यक्रम एवं भारतीय सेना की वीरता एवं ऑपरेशन सिंदूर की अभूतपूर्व सफलता के सम्मान में निकलने जा रही तिरंगा यात्रा में सर्वसमाज ओर जिलावासियों से अधिक से अधिक संख्या में सम्मिलित होने का आग्रह किया। उन्होने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता मण्डल स्तर पर निकलने वाली तिरंगा यात्रा में आवश्यक रूप से शामिल हो। जिसके अंतर्गत पार्टी हर नागरिक तक पहुंचकर उन्हें ऑपरेशन सिंदूर की उपलब्धियों के बारे में बताये। बैठक में पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जन्मजयंती समारोह बनाने के लिये जिले की टोली का गठन किया, व उनकी जिम्मेदारियों को बताया गया।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com